दैनिक
# राष्ट्र न्यूज
सच की आवाज राष्ट्र के साथ

'हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं. शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं.'

-स्वामी विवेकानंद

■ वर्षः 1 ■अंकः61 ■मूल्यः 2 रुपए | भोपाल, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026 | Email-rastiyanews@gmail.com

# न्यू मार्केट में सिलेंडर ब्लास्ट के बाद भीषण आग, 6 दुकानें और 10 से ज्यादा रेहड़ियां जलीं

भोपाल, विशेष संवाददाता।

राजधानी के सबसे व्यस्त बाजार न्यू मार्केट में गुरुवार दोपहर सिलेंडर ब्लास्ट के बाद भीषण आग भड़क गई। बालाजी छोले-भटूरे की दुकान से शुरू हुई आग ने देखते ही देखते आसपास की दुकानों और रेहड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें करीब 25 फीट तक उठीं, जबकि धुएं का गुबार करीब दो किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। हादसे के समय बाजार में 50-60 लोग मौजूद थे। आग से बचने के लिए आम्रपाली रेस्टोरेंट के संचालक पवन अग्रवाल समेत तीन लोगों ने पहली मंजिल से नीचे छलांग लगा दी। नीचे गिरने से तीनों को चोटें आई हैं।

## आधा दर्जन दुकानें और 10 से 12 रेहड़ियां जलीं

आग बालाजी छोले-भटूरे की दुकान से शुरू होकर आसपास की कुर्ता-पायजामा की दुकान, मोबाइल शॉप, चार मंजिला बर्तन की दुकान और रेडीमेड कपड़ों की दुकान तक पहुंच गई। करीब 10 से 12 रेहड़ियां भी आग की चपेट में आकर जल गईं। दुकानदारों के मुताबिक, दिवाली के लिए दुकानों में बड़ी मात्रा में स्टॉक भरा हुआ था, जो आग में जलकर खाक हो गया। एक दुकानदार ने करीब 75 लाख से एक करोड़ रुपये तक के नुकसान की बात कही है।

## भट्ठी से उठी चिंगारी, सिलेंडर ब्लास्ट के बाद विकराल हुई आग

स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, सबसे पहले बालाजी छोले-भटूरे की दुकान की भट्ठी में आग लगी। इसके बाद सिलेंडर ब्लास्ट होने से आग ने विकराल रूप ले लिया। दुकानदारों ने तत्काल नगर निगम को सूचना देकर दमकल बुलाने की कोशिश की। उनका आरोप है कि दमकल वाहन करीब आधे घंटे बाद



मौके पर पहुंचा। तब तक आग आसपास की दुकानों तक फैल चुकी थी।

## अतिक्रमण और जाम के कारण दमकल को पहुंचने में हुई परेशानी

व्यापारियों का कहना है कि न्यू मार्केट चौराहे पर अतिक्रमण और मंदिर के सामने लगे जाम के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में परेशानी हुई। आग के बाद व्यापारियों ने महापौर और विधायक भगवानदास सबनानी के सामने बाजार में अवैध तरीके से लगने वाली दुकानों और अतिक्रमण को लेकर विरोध जताया। विधायक भगवानदास सबनानी ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि यह हादसा सबक है। उन्होंने जल्द न्यू मार्केट को अतिक्रमण मुक्त कराने की बात कही, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं के दौरान राहत और बचाव कार्य में परेशानी न हो।

## जान बचाने के लिए पहली मंजिल से कूदे तीन लोग

बालाजी छोले-भटूरे की दुकान के ऊपर ही आम्रपाली रेस्टोरेंट संचालित होता है। आग तेजी से फैलने के बाद रेस्टोरेंट में मौजूद संचालक पवन अग्रवाल और दो अन्य लोगों के सामने बाहर निकलने का रास्ता मुश्किल हो गया। जान बचाने के लिए तीनों पहली मंजिल से नीचे कूद गए। नीचे गिरने से उन्हें चोटें आईं। बालाजी छोले-भटूरे की दुकान खेड़ापति हनुमान मंदिर के ठीक पीछे स्थित है। दुकान और मंदिर के बीच बनी दीवार के कारण आग मंदिर तक नहीं पहुंच सकी। आग लगते ही दुकान में मौजूद लोग बाहर निकल आए और देखते ही देखते मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई।

## तीन घंटे में बुझी आग, दीवार भी तोड़नी पड़ी

आग पर काबू पाने के लिए 15 से ज्यादा फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर पहुंचे। दमकलकर्मियों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझाया। आग बुझाने के लिए एक दुकान की दीवार तक तोड़नी पड़ी। आग पर काबू पाने के बाद दमकलकर्मी दुकानों के अंदर और आसपास लगातार जांच करते रहे, ताकि कहीं कोई चिंगारी या गर्म हिस्सा दोबारा आग न पकड़ ले। हादसे के बाद व्यापारियों में भारी नुकसान और बाजार की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी है।

**संक्षिप्त समाचार**

## बीसीसीआई मीटिंग के बाद हरमनप्रीत ने छोड़ी कप्तानी

### उनकी अगुआई में भारत ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप जीता; स्मृति बन सकती हैं अगली कप्तान

नईदिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। यह फैसला एक दिन पहले गुवाहाटी में हुई



बीसीसीआई की मीटिंग के बाद आया है। बैठक में हरमनप्रीत, उपकप्तान स्मृति मंधाना और कोच अमोल मजूमदार शामिल हुए थे। टीम के भविष्य और कप्तानी को लेकर भी चर्चा हुई। हरमनप्रीत के बाद स्मृति मंधाना को अगला कप्तान बनाया जा सकता है।

37 साल की हरमनप्रीत के नाम कई रिकॉर्ड हैं। इनमें बतौर कप्तान भारत को पहला महिला वर्ल्ड कप जिताना शामिल है। उनकी कप्तानी में टीम ने 2012, 2016, 2022 और 2026 एशिया कप का खिताब भी अपने नाम किया। 2012 एशिया कप में हरमनप्रीत ने सिर्फ फाइनल में कप्तानी की थी। बाकी मैचों में मिताली राज ने टीम की कमान संभाली थी।

## बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी की 6 सीटों पर वोटिंग

### बंगाल में पुलिस ने हुमायूं कबीर को गिरफ्तार किया; ममता न सीएम-विधायक, न उम्मीदवार

नईदिल्ली (एजेंसी)। देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 6 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग हुई।

इस दौरान आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी)



के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर को बंगाल के मुर्शिदाबाद में उनके पार्टी कार्यालय से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन पर चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनके बेटे गुलाम नबी आजाद भी रेजीनगर से उम्मीदवार हैं।

वहीं, मीडिया से बात करते हुए नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान ने आरोप लगाया है कि उनके पोलिंग एजेंट्स को जबरन उठाया जा रहा है।

27 के लिए 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया, पहली तिमाही के मजबूत आंकड़ों का फायदा मिला

## वर्ल्ड बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले अप्रैल में वर्ल्ड बैंक ने एफबाय 27 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 6.6 प्रतिशत बताया था। मंगलवार, 6 सितंबर को जारी लेटेस्ट रिपोर्ट 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' में वर्ल्ड बैंक ने यह बात कही है।

ग्लोबल ट्रेड और दुनिया में तनाव के बावजूद भारत की इकोनॉमी ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8 प्रतिशत रही थी।




**गांव-शहरों में मांग बड़ी, एक्सपोर्ट भी बड़ा-** वर्ल्ड बैंक के अनुसार, भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ में निवेश और घरेलू खपत यानी प्राइवेट कंजम्पशन का सबसे बड़ा योगदान रहा है।

गांव और शहर दोनों में मांग- अच्छी खेती, सरकारी से किसानों को सिधी सहायता और सब्सिडी के चलते डिमांड बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर टैक्स में राहत और जीएसटी कटौती के बाद शहरी खपत में भी उछाल देखने को मिला है।

### एक्सपोर्ट बड़ा

ग्लोबल लेवल पर विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भारत के एक्सपोर्ट ने उम्मीद से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे एफबाय 27 की ग्रोथ के लिए सबसे बड़ा पॉजिटिव फैक्टर माना जा रहा है।

**इन्फ्रास्ट्रक्चर और पावर सेक्टर का अच्छा प्रदर्शन-** सप्लाई साइड पर इंडस्ट्रियल सेक्टर ने ग्लोबल चुनौतियों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया है। इंफ्रास्ट्रक्चर और कंस्ट्रक्शन गुड्स की ग्रोथ पहली तिमाही में बढ़कर 7.2 प्रतिशत हो गई, जो पिछले साल 6.1 प्रतिशत थी।

### कैबिनेट के दो बड़े फैसले

## परिवहन और एमएसएमई क्षेत्र के लिए सरकार का बड़ा ऐलान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को दो महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। इन फैसलों में इंटेगरेटेड ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स अथॉरिटी (आईटीएलए) की स्थापना और 10,000 करोड़ रुपये के स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज ग्रोथ फंड (एसजीएफ) का गठन शामिल है। ये पहल देश के परिवहन और लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्रों को नई दिशा देंगी। आईटीएलए का लक्ष्य परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में अनुसंधान, योजना, मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव आकलन को मजबूत करना है। यह परिवहन परियोजनाओं की योजना, मूल्यांकन और निगरानी में तालमेल बिठाएगा। आईटीएलए नीति अनुसंधान, परियोजना योजना व मूल्यांकन, निगरानी व समीक्षा, और डेटा विश्लेषण को एक साथ लाएगा।



## स्कूलों में रोजाना संविधान की प्रस्तावना का पाठ अनिवार्य करने की याचिका खारिज

### सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सिलेबस में पहले से ही शामिल

**नई दिल्ली** (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल कर एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की गई थी जिसके तहत स्कूलों में सुबह की असेंबली के दौरान छात्रों को संविधान की प्रस्तावना पढ़ाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने आज मंगलवार को इस पीआईएल पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ,



संदीप मेहता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि प्रस्तावना पहले से ही स्कूल के पाठ्यक्रम का हिस्सा है और इसे छठी कक्षा से ही छात्रों को पढ़ाया जाता है।

**संविधान की प्रस्तावना को राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग खारिज-** दिल्ली यूनिवर्सिटी के राजधानी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर धीरज कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका दायर की थी। इस याचिका में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और CBSE के स्कूली बच्चों में संवैधानिक जागरूकता को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय नीति बनाने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

# विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों के मार्च को पुलिस ने रोका

### ज्ञानेश कुमार से मिलने पर अड़े राहुल गांधी, आकाशवाणी भवन में धरना | चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे | राहुल गांधी बोले- 300 सांसदों को रोका गया, पुलिस हमें धमका रही




**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की सत्ताधारी बीजेपी पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के संसद से चुनाव आयोग तक मार्च को बीच में ही रोके जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे हैं? पुलिस हमें चुनाव आयोग जाने से क्यों रोक रही है और धमका रही है। राहुल गांधी ने कहा कि संसद से हमारे साथ 300 सांसद चुनाव आयोग जाना चाहते थे। हालांकि, उन्हें बीच में ही रोक दिया गया। हम करोड़ों भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं। आखिर 300 सांसदों को क्यों रोका गया है।

**देश में क्या हो रहा-** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि करीब 300 सांसद चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने हमें यहीं रोक



दिया। हम चुने हुए प्रतिनिधि हैं, लेकिन हमें नहीं पता कि हमें यहां क्यों रोका गया है। हमें समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है, जबकि चुनाव आयोग का दफ्तर यहां से सिर्फ 50 मीटर दूर है। विपक्ष के 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं, लेकिन वे डरे हुए हैं। देश में क्या हो रहा है? लोकतंत्र का क्या मतलब है अगर चुनाव आयोग चुने हुए प्रतिनिधियों से ही न मिले?

**मैं यहां लोकतंत्र को बचाने के लिए खड़ा हूं-** राहुल गांधी ने कहा कि हम सिर्फ भाजपा का मुकाबला नहीं कर रहे हैं, हम उन्हें खत्म कर देंगे। भाजपा क्या कहती है, इसमें मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है।

### इंडिया गठबंधन के विरोध मार्च में पहली बार दिखी बीजेपी की 'न्यूट्रल सहयोगी'

**नई दिल्ली** (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों के सांसदों ने मंगलवार को विरोध मार्च निकाला। जिसमें पहली बार बीजेपी की 'न्यूट्रल सहयोगी' मानी जाने वाली बीजेडी ने भी शिरकत की। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने इस बात का जिक्र किया। बीजेपी नेता जयराम रमेश ने अपने एक्स पोस्ट में बीजेडी सांसदों के मार्च में शामिल होने की जानकारी दी। संसद के मकर द्वार से निकला विपक्ष का मार्च नीति आयोग के पास ही रुक गया। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी।




### बीजेपी का कांग्रेस पर बड़ा हमला, राहुल गांधी से पूछे 10 सवाल

# 'हमारी मदद ज्ञानेश कुमार नहीं, गणेश जी कर रहे'

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी पार्टियां खासकर कांग्रेस पार्टी देश में सरकार बदलने और किसी तरह राहुल गांधी को सत्ता में बिठाने की पूरी कोशिश कर रही है। इसके लिए भारतीय लोकतंत्र और देश की संवैधानिक संस्थाओं पर एक साथ हमला किया जा रहा है। यह प्रक्रिया कुछ महीने पहले शुरू नहीं हुई है बल्कि यह कई सालों से चल रही है। शुरू से ही कांग्रेस पार्टी ने बार-बार किसी भी तरह से राहुल गांधी को लॉन्च और रिलॉन्च करने की कोशिश की है।

**संबित बोले- हमारी मदद गणेश जी कर रहे-** संबित पात्रा ने आगे कहा कि हमारी मदद ज्ञानेश कुमार नहीं कर रहे हैं, हमारी मदद गणेश जी कर रहे हैं।



बुद्धि, विद्या, ज्ञान और विवेक के देवता गणेश जी हैं। देश की जनता के पास बुद्धि, विवेक, ज्ञान है और जनता जानती है कि परिवारवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवादियों के साथ खड़े होने वाले लोगों को वोट नहीं देना है। वोट उसको देना है जिसने कहा है कि मैं देश नहीं झुकने दूंगा।

**एसआईआर पर फैलाई जा रही फेक न्यूज-** बीजेपी नेता ने कहा कि पिछले कुछ दिनों सेएसआईआर को लेकर गलतफहमियां और फेक न्यूज फैलाई जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया को लेकर एक याचिका दाखिल की गई थी। उस याचिका में मुख्य मांग थी कि चीफ इलेक्शन कमिश्नर को हटा दिया जाए, उन्हें बर्खास्त किया जाए।

### राहुल गांधी के झूठ का पुलिंदा खोलूंगा: पात्रा

संबित पात्रा ने कहा कि आज, मैं एक-एक करके राहुल गांधी के झूठ का पुलिंदा खोलूंगा। इस पूरे एक्स पोस्ट में, राहुल गांधी ने चार गुमराह करने वाले शब्दों इस्तेमाल किए हैं। पहला, 'फॉर्म 6 को गैरकानूनी तरीके से बदला गया है।' दूसरा, 'फॉर्म 6 को एकतरफा बदला गया।' तीसरा, 'इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया भारतीय जनता पार्टी की मदद करने की कोशिश कर रहा है' और चौथा, 'इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया का भारतीय लोकतंत्र पर क्रिमिनल हमला।'

## गुजरात में भीषण सड़क हादसा

### तेज रफ्तार एसयूवी ट्रेलर ट्रक से टकराई, सात लोगों की दर्दनाक मौत

**भावनगर (गुजरात)(एजेंसी)।** गुजरात के भावनगर जिले में मंगलवार को उस समय चीखपुकार मच गई जब हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस घटना में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गुजरात के भावनगर जिले



में एक हाईवे पर खड़ी ट्रेलर ट्रक से एसयूवी के टकराने से सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक नितेश पांडे ने बताया कि पीड़ित भावनगर से अलंग जा रहे थे, जहाँ वे एक शिपयार्ड में काम करते थे। पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 10 बजे जिले के तलाजा तालुका में ट्रापाज गाँव के पास भावनगर-सोमनाथ नेशनल हाईवे के किनारे सर्विस रोड पर हुआ, जब तेज़ रफ़्तार एसयूवी खड़ी ट्रेलर से टकरा गई।

# संपादकीय

## एसआईआर -विशेष अभियान शुरू करने का फैसला, अच्छी पहल

देश के कई हिस्सों में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों और संदेहों के बीच चुनाव आयोग ने 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) के तहत एक विशेष अभियान शुरू करने का फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर को लेकर विशेष अभियान शुरू करने का फैसला ऐसे समय लिया है, जब उसके खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। उसके कई फैसलों को संदेह की नजर से देखा जा रहा है और आयोग को बार-बार स्पष्टीकरण देना पड़ रहा है।सूचियों का मिलान। अभियान के तहत बीएलओ मौजूदा मतदाता सूची का एसआईआर से पहले की सूची से मिलान करेंगे। जिनके नाम पहले थे, पर अब नहीं हैं, उनकी स्थिति घर-घर जाकर जांची जाएगी। चुनाव आयोग और राज्य के चुनाव अधिकारियों के डेटा के मुताबिक, एसआईआर प्रक्रिया के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाताओं में 10.2 प्रतिशत की कमी आई है।बताया जा रहा है कि करीब 13 करोड़ नाम कटे हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि ये सारे लोग योग्य थे और गलत तरीके से बाहर किए गए। 60 लाख से ज्यादा तो ऐसे मतदाताओं के नाम हटे हैं, जिनकी मौत हो चुकी है। आयोग ने हर राज्य में प्रक्रिया पूरी होने के बाद बताया था कि कहां कितने मृत, डुप्लिकेट या स्थानांतरित नाम हैं। लेकिन, संख्या को लेकर बार-बार विवाद हो रहा है। नई और पुरानी, दोनों वोटर लिस्ट के मिलान से पता चलने की उम्मीद है कि कोई वास्तविक नाम तो नहीं छूटा। चुनाव आयोग को इस दर्शन (फिलॉसफी) पर काम करना चाहिए कि एक भी योग्य मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रह जाए। अगर प्रक्रिया जटिल है, तो इसका नुकसान जनता को नहीं होना चाहिए। हर बीएलओ को एक सप्ताह में 20 से 25 मतदाताओं तक पहुंचने का निर्देश दिया गया है। एक महीने में वेरिफिकेशन का काम पूरा होने की उम्मीद लगाई जा रही है। अगले साल कई राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए एक समय सीमा निर्धारित करना बेहद जरूरी है। ये सारे मुद्दे और विवाद विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया शुरू होने के पहले तक सुलझ जाने चाहिए। यह ठीक नहीं होगा कि जब चुनाव चल रहे हों, तब आयोग की विश्वसनीयता पर अंगुलियां उठ रही हों। इससे आखिरकार संस्था और लोकतंत्र का नुकसान है। विशेष अभियान आयोग के लिए मौका है, जब वह सारे सवालों के जवाब दे सकता है। इसके लिए जरूरी है कि पूरी पारदर्शिता रखी जाए। अगर कोई योग्य नाम पुरानी सूची में था और नए में जगह नहीं पा सका, तो उसके पीछे का कारण भी सामने आना चाहिए। यह अच्छा है कि लिस्ट को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट के साथ शेयर किया जाएगा।

# अब तक विरोधियों से ताकत पाते रहे प्रधानमंत्री मोदी क्या चक्रव्यूह तोड़ पाएंगें?

**(प्रो. संजय द्विवेदी )**



ऐसा लगता है कि सुशासन, विकास और संवाद तीन स्तरों से सत्ता ने सब कुछ साध लिया है। आलोचना हर सरकार की होती है, होनी भी चाहिए। कहीं कुछ भी पूर्ण नहीं है। किंतु दिल्ली में 2014 के बाद आई सरकार ने न सिर्फ अपनी धमक बनाई वरन बदलता हुए हिंदुस्तान भी दिखा। यह अलग ही हिंदुस्तान था।

मोदी है तो मुमकिन है- यह सिर्फ नारा नहीं है, भरोसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 25 सालों के सत्ताकाल में इसे अर्जित किया है। चुनावों में इस भावना को 'मोदी की गारंटी' कहा गया। यही विचार था जो मोदी को संगठन और विचार से बड़ा बना देता है। आज मोदी एक विचार बन चुके हैं। वह विचार है सबको साथ लेकर इस देश को विकसित भारत बनाने का सपना। इस मायने में वे सपनों के सौदागर भी हैं। अच्छे दिन आने वाले हैं से लेकर सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास तक यह सातत्य दिखता है। यह बिल्कुल नई राजनीतिक संस्कृति है और उसका सतत विकास है।

सुशासन, विकास और संवाद है मंत्र

ऐसा लगता है कि सुशासन, विकास और संवाद तीन स्तरों से सत्ता ने सब कुछ साध लिया है। आलोचना हर सरकार की होती है, होनी भी चाहिए। कहीं कुछ भी पूर्ण नहीं है। किंतु दिल्ली में 2014 के बाद आई सरकार ने न सिर्फ अपनी धमक बनाई वरन बदलता हुए हिंदुस्तान भी दिखा। यह अलग ही हिंदुस्तान था। जो आकांक्षाओं से भरा-पूरा था। अवसाद की चादर को फेंक कर कुछ करना चाहता था। आगे बढ़ना चाहता था। मोदी ऐसे हैं जिन्होंने राजनीतिक तंत्र और नेताओं की इज्जत थोड़ी बढ़ाई ही है। इसके पूर्व का समय याद करें तो वह 'नीतिगत जड़ता' का समय था, घोटालों की खबरें से हलाकान देश भ्रष्टाचार के विरुद्ध सड़कों पर था। दिल्ली में एक नई बनी पार्टी (आप) सत्ता में चुकी थी। तभी मोदी उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे और लोगों ने उनमें राष्ट्रनायक की छवि देखी। उनका साधारण अतीत भरोसा दे रहा था कि उन्हें लोगों के दर्द पता हैं और वे संकटों के ठोस और वाजिब हल निकालेगें। इस भरोसे ने तीन बार उन्हें केंद्र की सत्ता पर न सिर्फ बिठाया बल्कि तमाम राज्यों में भी भाजपा और राजग की सरकारें बनीं, जिन्हें डबल इंजन की सरकार कहकर संबोधित किया गया।

अति आत्मविश्वास से बचने की जरुरत

गुजरात और दिल्ली के 'सत्ता साकेत' में लगभग ढाई दशक पूरे कर चुके नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर इस समय विपक्ष और समाज के कुछ हिस्से हमलावर हैं। कुछ मुद्दे तो खुद उनकी सरकार ने दिए तो कुछ विपक्ष प्रायोजित विवाद भी हैं। जिसमें पेपरलीक, एनटीए की नाकामी, इथेनाल और चुनाव आयोग जैसे मुद्दे हैं। नरेटिव की जंग में मोदी का मुकाबला नहीं, किंतु हर बार ऐसा नहीं होता। कई बार अतिआत्मविश्वास भी नुकसानदायक होता है। जनता सब कुछ कर सकती है, किंतु अहंकार स्वीकार नहीं करती। सच तो यह है कि विपक्ष के बिखराव और आपसी खींचतान के बाद भी सरकार न तो सदन चला पाई न सामने से उठ रहे सवालों के उत्तर दे पाई। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या मोदी थक गए हैं या वे घिर गए हैं?

सच्चाई तो यह है कि मोदी और उनकी पार्टी के संगठन का मुकाबला करने की स्थिति में इस समय कोई दल या राजनीतिक समूह नहीं है। भाजपा अब पुरानी पार्टी नहीं रही। इस दौर में उनका जो भौगोलिक और सामाजिक विस्तार हुआ है, वह अभूतपूर्व है। इसके भरोसे ही वह तीन बार केंद्रीय सत्ता में आ सकी, जिसमें दो बार उसे पूर्ण बहुमत मिला तो तीसरी बार भी उसने आत्मविश्वास से भरकर सहयोगियों के साथ सरकार बना ली। सत्ता विरोधी रुझान के बाद भी भाजपा का मुख्य प्रतिद्वंदी दल कांग्रेस 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर सका। बावजूद इसके इस चुनाव परिणाम से विपक्ष में यह भरोसा तो बना कि भाजपा के अश्वमेघ के रथ को रोका जा सकता है।

**बंगाल की जीत ने दिया भरोसा** – अल्पमत की सरकार होने के बाद भी केंद्र की सरकार भरोसे से भरी है। बड़े फैसले हो रहे हैं। बंगाल के चुनावों की असंभव सी दिख रही जीत ने भाजपा के काडर में आत्मविश्वास भरा है। इस भरोसे में असम की जीत तो संयुक्त है ही। अब पंजाब और उत्तर प्रदेश के मैदान में डटी भाजपा को यह साबित करना है कि अभी वह चुकी और थकी नहीं है। पंजाब में बहुत कमजोर खिलाड़ी होकर भी वह मैदान को जीतने के लिए जिस तरह उतरी है, वह बात साबित करती है कि उसका यह भरोसा अकारण तो बिल्कुल नहीं है। नई नवेली आम आदमी पार्टी की सरकार वहां (पंजाब में) दूसरे संघर्ष में बन सकती है तो कोई कारण नहीं भाजपा भी ऐसे स्वप्न देखे। वहीं उत्तर प्रदेश में तो उसके पास योगी आदित्यनाथ जैसा फायर ब्रांड लीडर है, जिसके पास 10 सालों का सुनहरा अतीत है। सरकार के नेता पर कोई दाग नहीं है, गुंडों पर लगाम है, सरप्लस एकोनामी है। यानी उत्तर प्रदेश में बहुत कुछ बदल गया है। भौगोलिकसंदर्भ

**सामाजिक समरसता पर संकट** – फिर क्या कारण हैं कि नरेंद्र मोदी को लेकर तरह-तरह की बातें हो रही हैं। कई जातीय समूह उन पर हमलावर हैं। जबकि इन समूहों द्वारा उठाए जा रहे आरक्षण जैसे विषयों पर राजनीतिक दलों की आम सहमति है। कोई दल इस विषय को छू नहीं सकता। 'समीक्षा' जैसे शब्द पर भी राजनीतिक दल कांप उठते हैं। इस विषय पर मोदी निशाने पर हैं। हालांकि यह ज्यादातर जंग आनलाईन माध्यमों पर ही लड़ी जा रही है किंतु समाज में इसका जहर नहीं फैल रहा है, यह कहना गलत होगा। इस बीच यूजीसी गाइडलाइंस ने अलग कबाड़ा किया। इससे मोदी विरोधियों को आग उगलने का मौका मिला। यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का कि उसने इन प्रावधानों को रोककर सरकार की लाज बचा ली। सामाजिक समरसता के लिए यह सारे विवाद घातक हैं, किंतु राजनीति का लक्ष्य संधान अगर समाज को बांटकर ही होता हो तो क्या किया जा सकता है? इसके साथ ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लंबे समय तक झेलते रहना भी सरकार के विरुद्ध गया, अंततः प्रधान तिलचट्टों की अनावश्यक सस्ती राजनीति के शिकार होकर विदा हो गए। इससे गुमनाम और जनाधारहीन नई नवेली 'काक्रोच जनता पार्टी' अनावश्यक चर्चा में आ गयी।

इस सबके बाद भी मोदी और भाजपा की शक्ति को कम आंकना गलत होगा। योगी आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा, शुभेंदु अधिकारी, मोहन यादव, विष्णुदेव साय, नायब सिंह सैनी, मोहन मांझी, देवेंद्र फड़नवीस, सम्राट चौधरी जैसी मुख्यमंत्रियों की टीम को कम आंकना नासमझी होगी। नरेंद्र मोदी ने देश के हर क्षेत्र में सभी सामाजिक समूह के नेताओं की पूरी मलिका खड़ी कर दी है। भाजपा के इस सामाजिक विस्तार को समझे बिना आप मोदी की ताकत को नहीं भांप सकते। इसी तरह भाजपा का भौगोलिक विस्तार अप्रतिम है।

**उत्तर प्रदेश में होगा देश का फैसला** – भाजपा 'मोदी समय' में जम्मू से लेकर कन्याकुमारी तक की लोकसभा सीटें जीत चुकी है। भुवनेश्वर से लेकर मुंबई तक भाजपा की तूती बोल रही है। कांग्रेस और विपक्षी दलों के भरसक प्रयासों के बाद भी मोदी देश की जनता की पहली पसंद बने हुए हैं। सरकार के विरुद्ध असंतोष को वे कैसे समाप्त करते हैं, इसकी पहली बड़ी परीक्षा उत्तर प्रदेश के चुनाव मैदान में होनी है। वहां के परिणाम देश की राजनीति को प्रभावित करेंगे। कई विश्लेषक और ज्योतिष गुरु नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति भवन भेजने और किसी अन्य को प्रधानमंत्री बनाने में लगे हैं, किंतु ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा स्वयं को ज्यादा आश्वस्त पाती है। प्रधानमंत्री की सक्रियता और दिनचर्या को देखते हुए यह कहना कठिन है कि वे अभी आसानी से हथियार डाल देगें। संगठन और सरकार पर उनकी पकड़ मजबूत है। आज तक विपक्षियों के द्वारा हुए व्यापक विरोध से ही वे शक्ति अर्जित करते रहे हैं। नए समय में हो रहा विरोध क्या उन्हें फिर से शक्तिमान बनाएगा, इसके लिए उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों के परिणामों का इंतजार करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश का राजनीतिक संदेश देश की भावी दिशा तय करेगा, इसमें दो राय नहीं है। सरकारीएजेंसियां(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

## समग्र विकास से सिद्धी



**अखिलेश जैन, सीए**

मोदी जी के 25 वर्षों के शासनकाल की भारत की यात्रा वास्तव में समग्र विकास से 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रयासों की यात्रा है।

अपरिवर्तनशील वास्तविकता है कि सूर्य पूर्व में ही उगता है उसी तरह शाश्वत सत्य है कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत निराशा, भाई भतीजावाद, जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, कालेधन, जमाखोरी, आयात पर निर्भरता, तुष्टीकरण, संस्कृति का अपमान, गुलामी के प्रतीकों जैसी तमाम बेड़ियों को तोड़कर सुन्दर, सुखद, भविष्य के निर्माण हेतु रात-दिन एक करके, बिना रुके-बिना थके, बिना दाँये-बिना बाँये देखे कठिन से कठिन अग्नि परीक्षा जैसी चुनौतियों को पार करके भविष्य निर्माण में जुटा हुआ है।



आज भारत का लक्ष्य, ध्येय, सपना, नारा, वचन तथा एक ही दशरथ नन्दन प्रभु श्री रामचन्द्र जी के श्री चरणों में प्रार्थना है- ''विकसित भारतञ्च2047 '।

''विकसित भारतञ्च2047' लक्ष्य की गहराई को जानने वाले ही, लक्ष्य की गंभीरता को जान सकते हैं। नारा आसान है, लक्ष्य गंभीर है, ''विकसित भारतञ्च2047' के लक्ष्य सिद्धी के लिए उससे भी बड़ा तप करना पड़ेगा जितना तप महाराज भगीरथ ने गंगा को पृथ्वी पर उतारने के लिए किया था। महाराज भगीरथ के कठोर तप से प्रसन्न होकर ब्रम्हा जी ने गंगा को पृथ्वी पर उतरने का वरदान दिया था, महाराज भगीरथ का तप तो केवल एक सिद्धी गंगा को पृथ्वी पर उतारने के लिए था पर मोदी जी के नेतृत्व में भारत का तप तो ''विकसित भारतञ्च2047' के लिए है, इस सिद्धि को पाने के पहले तमाम सिद्धियां पार करना पड़ेंगी, तमाम बाधाओं को पार पाना पड़ेगा जो मुख्य सिद्धि के मार्ग में बाधा हैं, बाधाओं को दूर करने के साथ-साथ बाधाओं को दूर करने की गति को भी गति देना पड़ेगी।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ चुका है,12वीं अर्थव्यवस्था से विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के कदम बढ़ा रहा है। महिलाएं नीति निर्णय में भागीदार बन रही हैं, अर्थव्यवस्था की मजबूती व स्थायित्व में महिलाओं का योगदान लाने में भारत सफल हो रहा है, 2014 से भ्रष्टाचार की खबरों को मसाला न मिलने के कारण जनता में उत्साह का संचार करने में सरकार को बहुत बड़ी सफलता मिली है, इसके सकारात्मक परिणाम बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में हैं, देश की सीमाएँ सुरक्षित हैं, परिन्दा भी पर नहीं मार पाता क्योंकि सरकार व सेना की कार्यवाहियों का लेखा जोखा नेत्रहीन भी तुरन्त पढ़ लेता है। सरकार का आतंकवाद विरोधी निर्णय देश में स्थिरता, शांति व प्रगति लाने में सहायक हुआ है।

आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों की खोज व विकास, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सनातन संस्कृति की रक्षा व संरक्षण, शिक्षण, प्रशिक्षण व रोजगार की संभावनाएं, करों का सरलीकरण, हर व्यक्ति का बैंक में खाता, गरीब को चिकित्सा सुविधा, आवास, पेयजल, स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, शौचालय, दिल्ली से चली राशि बिना किसी कट के सीधे हितग्राहियों के खाते में बराबर व तुरन्त पहुंचना, 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों ने आर्थिक प्रगति में जो योगदान दिया है उसी कारण विदेशी निवेश भारत के दरवाजे पर लाईन लगा कर खड़ा है, जीडीपी, जीएसटी व आयकर शिखर पर, 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर, अगर सफलता की गति बरकरार रहती है तो 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था व '' विकसित भारत ञ्च 2047' की सिद्धी पाने में भारत शीघ्र सफलता पाएगा।

**(लेखक भाजपा मप्र के कोषाध्यक्ष हैं)**

# दो हफ़्तों में पवित्र शहरों पर दूसरा हमला- धार्मिक स्थलों पर हमलों को रोकने की तत्काल ज़रूरत

**(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)**

**57 मुस्लिम-बहुल देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओ आई सी) ने मक्का पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे घिनौना बताया। ओ आई सी ने यमन के हूथी आंदोलन को इसके लिए ज़िम्मेदार ठहराया और पवित्र स्थलों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आह्वान किया। साथ ही, संगठन ने वैश्विक समुदाय से ऐसी हिंसा को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और धार्मिक सद्भाव को खतरा हो सकता है।**

सऊदी अरब के पवित्र शहरों मक्का और मदीना को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमलों के बाद तनाव बढ़ गया है। सऊदी गठबंधन और ओआईसी ने इसके लिए हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया, हालांकि हूतियों ने इससे इनकार किया है। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत ऐसे पवित्र धार्मिक स्थलों पर हमला करना गंभीर युद्ध अपराध माना जाता है। पवित्र धार्मिक शहरों पर दूसरा हमला, 2017 के बाद से सबसे गंभीर हमला, मंगलवार, 29 सितंबर 2026 को स्थानीय समयानुसार सुबह 5.11 बजे हुआ। हूतियों ने मदीना में तैबा पावर डिस्ट्रिब्यूशन स्टेशन को निशाना बनाया, जो इस्लाम के दूसरे सबसे पवित्र स्थल 'अल-मस्जिद अन-नबवी' को बिजली सप्लाई करने वाली एक नागरिक सुविधा है। एक वन-वे अटैक ड्रोन ने एक ट्रांसफ़ॉर्मर को बेकार कर दिया। सऊदी गठबंधन ने बताया कि बड़े ग्रिड पर कोई असर नहीं पड़ा और मस्जिद में बिजली गुल नहीं हुई। गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-माल्की ने पुष्टि की कि मलबे को बरामद कर लिया गया है और ऑपरेशनल रिव्यू से हूतियों की संलिप्तता की पुष्टि हुई है। दो हफ़्ते पहले, मंगलवार, 15 सितंबर 2026 को स्थानीय समयानुसार शाम 6.50 बजे, सऊदी अरब ने मक्का के दक्षिण में एक हूती ड्रोन को ग्रैंड मस्जिद के ऊपर प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में घुसने से पहले ही रोककर नष्ट कर दिया। 2017 के बाद मक्का पर यह पहली कोशिश थी। सऊदी अधिकारियों ने इस हमले के लिए यमन के हूती विद्रोहियों को ज़िम्मेदार ठहराया; बढ़ते तनाव के बीच इस्लाम के सबसे पवित्र शहर पर यह अपनी तरह की पहली घटना थी। सऊदी एयर डिफेंस ने जेद्दा से लगभग 70 किलोमीटर अंदर ड्रोन को रोक दिया, जिससे वह अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाया। सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मलिकी ने बताया कि मक्का के प्रतिबंधित हवाई



क्षेत्र में घुसने से पहले ही ड्रोन को रोक दिया गया था। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि दो पवित्र मस्जिदों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा एक रेड लाइन (अति-संवेदनशील सीमा) है। उन्होंने इस हमले की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक हरकत बताया, जिसका मकसद इबादत करने वालों में डर पैदा करना और आम नागरिकों को नुकसान पहुँचाना था। सऊदी विदेश मंत्रालय ने इसे कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला करार दिया। हूथी आंदोलन (अंसार अल्लाह) ने तुरंत और स्पष्ट रूप से इसकी ज़िम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। 57 मुस्लिम-बहुल देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओ आई सी) ने मक्का पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे घिनौना बताया। ओ आई सी ने यमन के हूथी आंदोलन को इसके लिए ज़िम्मेदार ठहराया और पवित्र स्थलों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आह्वान किया। साथ ही, संगठन ने वैश्विक समुदाय से ऐसी हिंसा को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और धार्मिक सद्भाव को खतरा हो सकता है। सऊदी अरब और जी सी सी ने कहा कि इन हमलों ने सभी रेड लाइन्स पार कर ली हैं और यह हालात को गंभीर रूप से बिगाड़ने (ग्रेव एस्केलेशन) जैसा है। मक्का और मदीना को निशाना बनाकर दुनिया भर के लाखों मुसलमानों को जान-बूझकर उकसाया गया है। यू ए ई, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन और तुर्की ने भी एकजुटता दिखाते हुए बयान जारी किए। हूथियों ने ज़िम्मेदारी से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी पवित्र स्थल को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने सऊदी अरब पर आरोप लगाया कि वह मक्का के बारे में पहले किए गए दावे को साबित न कर पाने की अपनी नाकामी को छिपाने की कोशिश कर रहा है। हूथियों ने जुलाई 2026 में सऊदी अरब की समुद्री नाकेबंदी की घोषणा की थी और 2022 में संयुक्त राष्ट्र संघ की युद्धविराम संधि के टूटने के बाद सीमा-पार हमले फिर से शुरू कर दिए थे। सना और लाल सागर के तट पर उनके नियंत्रण की वजह से वे 900 किलोमीटर से ज़्यादा दूरी तक ड्रोन भेजकर मदीना तक पहुँच सकते हैं। पवित्र मस्जिद के पास बिजलीघर पर हमला करने का मकसद धार्मिक आक्रोश को भड़काना, सऊदी अरब पर दबाव बढ़ाना और ईरान-समर्थित क्षमताओं का प्रदर्शन करना है, ताकि यह दिखाया जा सके कि वे ईरान-अमेरिका-इज़राइल के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान भी सऊदी अरब के अंदरूनी इलाकों तक हमला कर सकते हैं। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इसका प्रतीकात्मक असर बहुत बड़ा है। इस्लामी दुनिया में, पैगंबर की मस्जिद (मस्जिद-ए-नबवी) को सेवा देने वाले बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने को पवित्रता पर ही हमला माना जाता है।

**धार्मिक स्थलों पर हमलों को रोकने वाले अंतरराष्ट्रीय नियम** – टकराव के दौरान धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना युद्ध का एक पुराना और दुखद पहलू रहा है। अंतरराष्ट्रीय कानून में इस मुद्दे पर स्पष्ट नियम हैं, जो सीधे तौर पर ऊपर बताए गए हमलों जैसे मामलों को संबोधित करते हैं। नीचे इन स्थलों के लिए ऐतिहासिक उदाहरण और मुख्य कानूनी सुरक्षा उपाय दिए गए हैं।अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून (आई एच एल) सशस्त्र संघर्षों के दौरान कई तरह से धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करता है। इसका मुख्य सिद्धांत यह है कि ये स्थल नागरिकों की संपत्ति हैं और इन पर तब तक हमला नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि ये सैन्य लक्ष्य न बन जाएं। 1907 के हेग नियमों का अनुच्छेद 27 कहता है कि घेराबंदी और बमबारी के दौरान, धर्म, कला, विज्ञान या धर्मार्थ कार्यों के लिए समर्पित इमारतों, ऐतिहासिक स्मारकों, अस्पतालों... को यथासंभव बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए, बशर्ते कि उनका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए न किया जा रहा हो।

## बनखेड़ी में ताप्ती–गंगा एक्सप्रेस से टकराकर बुजुर्ग की मौत

### पटरी पार कर रहे थे, रेलवे स्टेशन के अप ट्रैक पर हुआ हादसा



**पिपरिया।** बनखेड़ी रेलवे स्टेशन के अप ट्रैक पर पटरी पार करते समय एक बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह हादसा 19046 ताप्ती गंगा एक्सप्रेस से हुआ, जिसकी जानकारी जीआरपी ने दी। मृतक की पहचान 68 वर्षीय रमेश अहिरवार के रूप में हुई है, जो तिन्सरी थाना बनखेड़ी के रहने वाले थे। उनके बेटे राकेश ने उनकी पहचान की। रेलवे स्टेशन के दोनों ओर रिहायशी बस्ती है। रेल पटरी पार कर लोग आवागमन करते है। पिपरिया जीआरपी प्रधान आरक्षक शिव प्रताप सिंह ने बताया कि घटना रात की है। सोमवार सुबह पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गई। शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## पचमढ़ी के पगारा में सड़क पर दिखा टाइगर

### रात 2 बजे वाहन चालक हुए हैरान; भोपाल से लौट रहे पर्यटन मित्र ने बनाया वीडियो



**पिपरिया।** पिपरिया-पचमढ़ी के बीच पगारा मुख्य मार्ग पर रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे टाइगर सड़क पर चहलकदमी करता दिखाई दिया। टाइगर को सड़क पर देखकर कुछ देर के लिए वाहन चालक रुक गए। घटना का करीब एक मिनट का वीडियो सोमवार सुबह सामने आया।

**भोपाल से लौट रहे पर्यटन मित्र ने बनाया वीडियो**–पचमढ़ी के पर्यटन मित्र मुस्तैन सिर ने टाइगर दिखने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वे भोपाल से लौट रहे थे। इसी दौरान पगारा चढ़ाई पर सड़क पर टाइगर दिखाई दिया। उन्होंने अपनी गाड़ी रोककर टाइगर के सड़क पार करने का इंतजार किया और इस दौरान वीडियो बना लिया।

**एसडीओ बोले- एसटीआर क्षेत्र होने से दिखना सामान्य**–एसडीओ संजीव शर्मा ने बताया कि टाइगर का वीडियो उनके पास भी आया है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के अंतर्गत आता है, इसलिए टाइगर का सड़क पर दिखाई देना आम बात है।

## इटारसी में कार से 25 पेटी अवैध शराब जब्त

### पुलिस को देखकर आरोपी फरार; मामला दर्ज, तलाश जारी



**इटारसी।** इटारसी सिटी पुलिस ने सोमवार सुबह अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की। सोमलवाड़ा खुर्द के पास फोरलेन से कार से 25 पेटी अवैध शराब जब्त की गई। पुलिस को देख आरोपी मौके से फरार हो गया। एसआई सुरेश चौहान को मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने सोमलवाड़ा खुर्द फोरलेन पर घेराबंदी कर कार को पकड़ा। तलाशी में कार से 25 पेटी शराब बरामद हुई।

**अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज**–पुलिस ने शराब और कार जब्त कर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम तलाश में जुटी है। कार्रवाई में एसआई सुरेश चौहान, आरक्षक राजकुमार झपाटे, महेंद्र गुर्जर और अतुल गुर्जर शामिल थे। पुलिस अब पता लगा रही है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां खपाने की तैयारी थी।

## सेवा सेतु अभियान के तहत किसानों को डिजिटल पहचान से जोड़ने की पहल

**विदिशा।** सेवा सेतु अभियान के तहत कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले में किसानों को शासकीय योजनाओं एवं कृषि संबंधी सेवाओं से सहज रूप से जोड़ने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष कैंप आयोजित कर फार्मर आईडी बनाई जा रही है। इसी क्रम में गुलाबगंज तहसील क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर 200 किसानों की फार्मर आईडी बनाई गई। तहसीलदार गुलाबगंज श्री अरविन्द यादव ने बताया कि अभियान के तहत तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में कैंप लगाकर किसानों को फार्मर आईडी बनाने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर आईडी तैयार की गई। गुलाबगंज तहसील की ग्राम पंचायत सौजना, हथियाखेड़ा, गुलरखेड़ी, सुमेर, बरी, बन जागीर सहित कुल 34 ग्राम पंचायतों में फार्मर आईडी बनाने का कार्य किया गया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित इन कैंपों के माध्यम से किसानों को फार्मर आईडी के महत्व एवं इसके उपयोग की जानकारी भी दी गई।फार्मर आईडी किसानों की पहचान को डिजिटल रूप से दर्ज करने तथा उन्हें कृषि विभाग एवं शासन की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं और सेवाओं से जोड़ने में उपयोगी होगी।

# सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है। विधायक सूर्य प्रकाश मीणा

## सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बांटे हेलमेट, लर्निंग लाइसेंस भी बनाए

**शमशाबाद।** नटेरन सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के नटेरन स्थित सांदीपनि विद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक सूर्य प्रकाश मीणा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर छात्रों और ग्रामीणों से सड़क सुरक्षा को लेकर संवाद कर नियमों के पालन करने को कहा। इस दौरान जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को सड़क पर सुरक्षित आवागमन, हेलमेट के उपयोग तथा यातायात नियमों के पालन की जानकारी दी गई। इस अवसर पर




विद्यार्थियों के लर्निंग लाइसेंस भी बनाए गए।

विधायक सूर्य प्रकाश मीणा एवं अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं को हेलमेट वितरित किए गए। कार्यक्रम में बताया गया कि विद्यार्थी हेलमेट के महत्व को समझें और अपने अभिभावकों को भी सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित करें। इसके साथ ही सेवा संकल्प अभियान के तहत जरूरतमंद विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री का वितरण कर उन्हें सहयोग प्रदान किया गया। विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है।

प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ ही दूसरों को भी सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित करना चाहिए। जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान मोदी जी के 25 वर्ष के सेवा काल स्वर्णिम अक्षरों में रहेगा यह अभियान भारत में जन हित कार्यक्रमों के रूप में मनाया जा रहा हे और समसंवाद विधानसभा में लोकप्रिय विधायक सूर्य प्रकाश मीणा के नेतृत्व में , विधानसभा जगह जगह कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है और हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा हे,आर टी ओ के कर्मचारियों ने यातायात सड़क सुरक्षा की विस्तृत जानकारी एल ई डी के माध्यम से दी ।मंच संचालन अंकित गुप्ता ने किया कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह,शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, जेब विविधता सभापति अंसूज शर्मा एसडीएम अजय पाठक, थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह , बीई ओ राकेश सेन प्राचार्य आर जी कुर्मी माखन सिंह,कमलेश मालवीय रघुवीर सिंह अरुण रघुवंशी राजकुमार राजपूत संजय चौकसे संजीव रघुवंशी, अखिलेश रघुवंशी, राजेश रघुवंशी भालू महाराज सहित मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## सीहोर में खेत की जमीन को लेकर दो पक्ष आमने-सामने

**सीहोर।** सीहोर इछावर थाना क्षेत्र के दुदलाई गांव में जमीन के पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। कहासुनी के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष पर डंडे और हंसिया से हमला कर दिया। घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए सीहोर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच खेत



की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर घटना के दिन दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ा और मारपीट शुरू हो गई। हमले में तीन लोग घायल हुए।

**ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया**–घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस व निजी वाहनों की मदद से सीहोर जिला अस्पताल पहुंचाया। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

**पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की**–घटना की सूचना मिलने पर इछावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई और घायलों के बयान लिए। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, घटना में शामिल आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले की जांच के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

# प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन ने युवाओं को दिए रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण की जानकारी

**कुरवाई।** शासकीय महाविद्यालय कुरवाई में स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ के अंतर्गत युवाओं के लिए कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार चतुर्वेदी के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अरुण पटेल ने किया। कार्यक्रम में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के प्रशिक्षक प्रदीप यादव एवं दीपक भार्गव ने विद्यार्थियों को युवाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रकार की निःशुल्क प्रशिक्षण योजनाओं की जानकारी दी। इसमें इलेक्ट्रिकल एवं सोलर, ऑफिस एसोसिएट, असिस्टेंट नर्सिंग तथा सॉफ्ट स्किल सेशन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण शामिल हैं। प्रशिक्षकों ने बताया कि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद योग्य युवाओं को स्थानीय कंपनियों एवं संस्थानों में प्लेसमेंट और रोजगार प्राप्त




करने में सहायता दी जाएगी। साथ ही इच्छुक युवाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए भी आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण एवं रोजगार से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। फाउंडेशन की ओर से इच्छुक विद्यार्थियों से जल्द पंजीयन कराने की अपील की गई। इस अवसर पर विक्रांत कुमार शर्मा (सहायक अध्यापक, इतिहास), डॉ. मो. सादिक, डॉ. अविनाश मिश्रा, डॉ. आबिदा कुरैशी, वर्षा निगम, सपना साहू, आकांक्षा बुरबुरे सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## दो माह से खराब वाल्व, नटेरन मुख्यालय में पेयजल व्यवस्था ठप

**शमशाबाद।** नटेरन जल जीवन मिशन के तहत हिनोतिया सगड बांध परियोजना से नटेरन में पेयजल आता हे लेकिन विभाग की लापरवाही के चलते पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में लापरवाही के चलते नटेरन मुख्यालय में पेयजल संकट गहरा गया है। बताया जा रहा है कि पानी की टंकी का वाल्व पिछले करीब दो माह से खराब पड़ा है, लेकिन अब तक उसका सुधार नहीं कराया गया। इसके कारण पानी की टंकी पर्याप्त रूप से नहीं भर पा रही है और मुख्यालय में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार लंबे समय से वाल्व खराब होने की जानकारी संबंधित जिम्मेदारों को होने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। टंकी में पानी नहीं



भरने के कारण लोगों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि खराब वाल्व को तत्काल दुरुस्त कराया जाए और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। लोगों का कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा बाधित होने से परेशानी और बढ़ गई है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग कब तक इस समस्या का समाधान कर नटेरन मुख्यालय की पेयजल व्यवस्था को सुचारु करता है। कॉन्ट्रेक्टर सुभाष राणा का कहना हे कि टंकी का आउटलेट और इनलेट खुला पाया जा रहा है । कल की रात्रि विजिट में देखा गया कि, इनलेट से पानी टंकी में प्रेशर से टंकी में गिर रहा था लेकिन आउटलेट वाल्व खुला हुआ था । यह तो अब नटेरन पंचायत से समझने वाली बात है की आउटलेट क्यों खोल कर रक्खा जा रहा है । रात्रि में पानी सप्लाई कहां हो रही है।जबकि नल चालक राजेश रघुवंशी ने बताया कि दो महीने से वाल्व खराब हे जिसमें बहुत पानी व्यर्थ बह रहा हे और टंकी भी नहीं भर पाती इसलिए नल नहीं चल रहे।

## दिन में तेज धूप और रात में ठंडक, सामान्य से 27.7% कम बारिश

**रायसेन।** चार महीने का मानसूनी सीजन खत्म होते ही रायसेन जिले में मौसम ने करवट ले ली है। आसमान साफ है और दिन में तेज धूप निकलने से तापमान बढ़ गया है। वहीं रात के समय हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। मौसम में अचानक आए बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी दिखाई दे रहा है। जिला अस्पताल में सर्दी-जुकाम, बुखार और मौसम संबंधी शिकायतों के मरीजों की संख्या बढ़ी है। इस बार मानसून जिले को 332.08 मिमी बारिश का घाटा देकर विदा हुआ। जिले में सामान्य औसत बारिश 1197.1 मिमी है, जबकि 1 जून से 30 सितंबर तक 865.02 मिमी बारिश दर्ज की गई। यह सामान्य से 27.7% कम है। यानी जिले को सामान्य बारिश का केवल 72.3% पानी ही मिल सका।

**पिछले साल से 593 मिमी कम बारिश**–पिछले साल जिले में मानसून ने सामान्य से ज्यादा बारिश कराई थी। वर्ष 2025 में 1457.9 मिमी बारिश दर्ज हुई थी, जो सामान्य से 260.8 मिमी यानी 21.8% अधिक थी। इसके मुकाबले इस साल अब तक करीब 593 मिमी कम बारिश हुई है। पिछले साल जहां जिला सामान्य बारिश के कोटे से ऊपर था, वहीं इस बार मानसून करीब 28% कम बारिश के साथ विदा हुआ।

**उदयपुरा में सबसे ज्यादा, गौहरगंज सबसे सूखा**–जिले के 10 वर्षामापी केंद्रों पर बारिश में बड़ा अंतर देखने को मिला। उदयपुरा में सबसे ज्यादा 1083.3 मिमी, जबकि गौहरगंज में सबसे कम 639.3 मिमी बारिश दर्ज हुई। बेगमगंज और उदयपुरा ही ऐसे केंद्र रहे, जहां बारिश का आंकड़ा 1000 मिमी के पार पहुंचा। जिला मुख्यालय रायसेन में 721.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। 122 में से करीब 70 दिन सूखे 1 जून से 30 सितंबर तक मानसून के 122 दिनों में बारिश का वितरण भी असमान रहा। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार करीब 70 से 75 दिन ऐसे रहे, जब बारिश नहीं हुई या केवल नाममात्र की बूंदाबांदी हुई। प्रभावी बारिश वाले दिन करीब 45 से 47 ही रहे।

## पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय शमशाबाद में जबलपुर संकुल की राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का हुआ आयोजन

**शमशाबाद ।** नवोदय विद्यालय समिति नई दिल्ली के निर्देशानुसार इस संकुल स्तरीय प्रतियोगिता में पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय जबलपुर ,गुना, कटनी खंडवा, खरगोन, मुरैना, सागर शिवपुरी अनूपपुर ,डिंडोरी उमरिया, और स्थानीय नवोदय विद्यालय विदिशा के विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एवं उपप्राचार्य एमडी मिश्रा ने बताया कि इस प्रतियोगिता हेतु बाहर से 49 विद्यार्थी और स्थानीय विद्यालय से पांच विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। कार्यक्रम की समन्वयक मंजूनाथ मिश्रा स्नातकोत्तर शिक्षिका रसायन विज्ञान ने बताया कि इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में

वी के श्रीवास्तव प्राचार्य पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय झाबुआ, एमडी मिश्रा उप प्राचार्य पीएमश्री स्कूल



जवाहर नवोदय विद्यालय शमशाबाद विदिशा, सुशील कुमार त्यागी स्नातकोत्तर शिक्षक गणित पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय गुना ,जेपी शाक्य असिस्टेंट प्रोफेसर एस ए टी आई विदिशा है।विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक पीसी गौतम ने इस अवसर पर बताया कि सर्वप्रथम उपस्थित सभी निर्णायक गणों ने विद्या, ज्ञान और संस्कारों की देवी मां सरस्वती की चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रजवलित किया।

तत्पश्चात सभी का विद्यालय प्रशासन के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एमडी मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि इस संकुल स्तरीय प्रतियोगिता की फोकल थीम विज्ञान और नवाचार सतत शीलता के लिए है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीके श्रीवास्तव प्राचार्य पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय झाबुआ ने कहा कि आज का नवाचार कल की तकनीकी है उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया की जिज्ञासा को कभी भी खत्म नहीं होने देना है बल्कि उसकी हमेशा जागृत करना है क्योंकि जिज्ञासा ही मानवी विकास की सतत प्रगति है। प्रियंका त्रिपाठी स्नातकोत्तर शिक्षिका जीव विज्ञान ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का क्षेत्रीय समागम पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय आगर मालवा में 12 और 13 अक्टूबर को संपन्न होगा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के सीसीए और मीडिया प्रभारी एवं स्नातकोत्तर शिक्षक मनोज कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर संगीत शिक्षक एसके संगोले, कला शिक्षक सर्वेश त्रिपाठी विज्ञान शिक्षिका श्रीमती सीमा भारती और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। संपूर्ण कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य जितेंद्र कुमार के निर्देशन में भली भांति संपन्न हो रहा है।

## छतरपुर में दंपती पर फायरिंग मामले में एक आरोपी गिरफ्तार



**छतरपुर।** छतरपुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में तालिब सौदागर और उनकी पत्नी पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना कल रात करीब 8 बजे हुई थी। कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने रानी तलैया निवासी अन्नी उर्फ मेहताब खान को गिरफ्तार किया है। जबकि दूसरा आरोपी टीपू करिया फरार है। उसकी तलाश में छापेमारी जारी है। घटना के बाद पुलिस ने मौके की जांच की। पीड़ित के घर के पास फायरिंग के निशान मिले हैं। एक बुर्के में भी गोली के निशान मिले हैं, जिन्हें जांच में शामिल किया गया। शुरुआती जांच में पीड़ित और आरोपियों के बीच सीधा संबंध नहीं मिला है। पुलिस पुरानी रंजिश समेत अन्य संभावित वजहों की जांच कर रही है। कॉन्ट्रैक्ट किलिंग को ध्यान में रखकर भी जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

## बाब अल-मंदेब पर हूती विद्रोहियों को बड़ा झटका: सऊदी गठबंधन ने छीने कई अहम इलाके

**रियाद, एजेंसी।** यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन



की सेनाओं ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास कई अहम इलाकों पर फिर कब्जा कर लिया है। यमनी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के साथ गठबंधन वाली सेनाओं ने जलडमरूमध्य के ठीक उत्तर में स्थित शहर धुबाब को फिर से अपने नियंत्रण में ले लिया है। उन्होंने बाब और हदीद शहरों पर भी कब्जा कर लिया है। इन अधिकारियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पत्रकारों से बात करने की आधिकारिक अनुमति नहीं थी। चश्मदीदों ने बताया कि उन्होंने टैंकों और सैनिकों को इन शहरों में प्रवेश करते देखा। सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन हवाई हमलों से सरकारी बलों को समर्थन दे रहा है। इस सैन्य अभियान में 100 लड़ाकू विमान शामिल हैं।

### हूती विद्रोहियों ने इससे पहले क्या दावा किया था?

यह सैन्य अभियान ऐसे समय शुरू हुआ, जब हूतियों ने कहा था कि उन्होंने यमन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में और ज्यादा इलाकों पर कब्जा कर लिया है। हूती विद्रोहियों ने इस क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण शहर पर भी कब्जा करने का दावा किया था। यह सऊदी समर्थित बलों के लिए बड़ा झटका था। हूती इस इलाके की एक रणनीतिक प्रांतीय राजधानी की ओर आगे बढ़ रहे थे। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने कहा कि 100 लड़ाकू विमान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की हूतियों के खिलाफ लड़ रही सेनाओं को हवाई मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने रणनीतिक बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को हवाई सुरक्षा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि जारी सैन्य अभियान के तहत हूतियों के सैकड़ों ठिकानों को नष्ट किया गया है।

### कार्रवाई पर क्या कहा?

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पत्रकारों से कहा कि उम्मीद थी कि यमन में सऊदी समर्थित सरकार विद्रोहियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगी। इसका मकसद उसके कब्जे वाले इलाकों को वापस लेना है। जब रुबियो से पूछा गया कि क्या सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने यह कार्रवाई अमेरिका के साथ मिलकर की है, तो उन्होंने कहा कि सऊदी अरब और अमेरिका के बीच रक्षा समझौता है। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार किया। रुबियो ने कहा कि हूती विद्रोहियों के अभियान के कारण यमनी सरकार ने अपने कुछ इलाकों पर नियंत्रण खोया है। सऊदी अरब पर भी हमले हुए हैं। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। क्षेत्रीय अधिकारी और एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, अमेरिका ने हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब के जारी अभियान में मदद की है। दोनों अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्हें पत्रकारों से बात करने की अनुमति नहीं थी। अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी मदद में खुफिया जानकारी साझा करना, निशाने की पहचान करना और सैन्य अभियान की योजना बनाने में सहायता देना शामिल था। यमन युद्ध के शुरुआती दौर में अमेरिका ने हूतियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन किया था। हालांकि, बाद के वर्षों में अमेरिका इस गठबंधन से अलग हो गया था। सऊदी राजधानी रियाद में स्थित अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया पर अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहने की चेतावनी दी। दूतावास ने संभावित ड्रोन या मिसाइल हमलों को लेकर सावधान रहने को कहा। सूचना मंत्री मोअम्मर अल-एरयानी ने बताया कि सऊदी हवाई समर्थन के साथ बलों ने तट के पास तेजी से आगे बढ़कर दुबाब क्षेत्र में अहम ठिकानों पर कब्जा किया।

# इजरायली सिंगर ने भारतीय कैप्टन स्मित के लिए गाया तुझमें रब दिखता है गाना

**कहा- 180 जिंदगियां बचाने वाले जांबाज को शुक्रिया-सलाम**

**तेल अवीव, एजेंसी।** दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान में जानलेवा हमले के बावजूद विमान को सुरक्षित बचाने वाले भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी की इजराइल में भी खूब चर्चा हो रही है। इजरायली गायक इताय बेन डेविड ने कैप्टन स्मित के सम्मान में हिंदी में फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' का मशहूर गीत 'तुझमें रब दिखता है' गाया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे भारतीय कैप्टन के लिए खास सम्मान के तौर पर देख रहे हैं। इजरायली गायक इताय बेन डेविड ने वीडियो साझा करते हुए कहा कि वह हिंदी नहीं बोल पाते, लेकिन वह बहादुर पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को यह हिंदी गाना समर्पित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि स्मित ने दुबई से इजराइल जा रही उड़ान में सवार करीब 180 लोगों की जान बचाने में अहम




भूमिका निभाई। इसके बाद गायक ने हिंदी में 'तुझमें रब दिखता है' गीत गाया। उनकी आवाज में गाया गया यह गीत कैप्टन स्मित के प्रति सम्मान और आभार के संदेश के तौर पर सोशल मीडिया पर तेजी से साझा किया जा रहा है। मामला 30 सितंबर का है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान के कॉकपिट में कैप्टन स्मित मच्छार पर उनके को-पायलट ने हमला कर दिया था। घटना के दौरान विमान अचानक तेजी से नीचे आया और कुछ ही समय में करीब 16 हजार फीट की ऊंचाई खो दी। हमले में कैप्टन स्मित को गंभीर चोटें आईं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने विमान पर नियंत्रण बनाए रखने और स्थिति को संभालने की कोशिश जारी रखी। वह कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल रहे, जिसके बाद चालक दल के सदस्य और कुछ यात्री अंदर पहुंच सके। कॉकपिट के अंदर पहुंचने के बाद चालक दल के सदस्यों और यात्रियों ने मिलकर हमलावर को काबू किया। इसके बाद विमान का नियंत्रण दोबारा स्थापित किया गया। स्थिति संभलने के बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक में आपात स्थिति में उतारा गया। सुरक्षित बताए गए। वहीं, कैप्टन स्मित को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। कैप्टन स्मित की बहादुरी की खबर सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर उनके लिए सम्मान और शुभकामनाओं का सिलसिला जारी है।

## सऊदी अरब में पाकिस्तान-तुर्किये की सेना होगी तैनात

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने सऊदी अरब में सैन्य बलों की तेजी से तैनाती के लिए जरूरी कदम उठाने पर सहमति जताई है। यह फैसला सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच लिया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बताया कि तीन देशों के मक्का रक्षा गठबंधन की रणनीतिक, राजनीतिक और रक्षा समिति की सोमवार को रियाद में आपात बैठक हुई। बैठक में सऊदी अरब के सामने मौजूद सुरक्षा से जुड़े हालात और खतरों पर चर्चा की गई। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने अगस्त में तीन देशों के बीच रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में सामूहिक सुरक्षा की व्यवस्था बनाई गई है। इसके तहत तीनों देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होता है, तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के हवाले से डॉन ने बताया कि समिति ने सामूहिक रक्षा से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को तुरंत लागू करने का फैसला किया। समिति ने जरूरी सैन्य बल और क्षमताएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर भी सहमति जताई। इन सैन्य बलों की सऊदी अरब में तेजी से तैनाती सुनिश्चित करने की बात कही गई। हालांकि, बयान में सैनिकों की तैनाती के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। यह भी नहीं बताया गया कि सैनिकों को कब और कितनी संख्या में तैनात किया जाएगा। बयान में हूती विद्रोहियों का खतरे के तौर पर सीधे नाम नहीं लिया गया। लेकिन यह फैसला सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमलों की पृष्ठभूमि में हुआ है।

## डोनाल्ड ट्रंप ने फिर किसे दी धमकी: ब्रिटेन से अमेरिकी बमवर्षक हटाने पर बोले- हम जानते हैं कौन जिम्मेदार



**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने अज्ञात धमकियों के बाद यूके स्थित अपने सैन्य बेस से बॉम्बर विमानों को हटा लिया है। इस घटनाक्रम के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को पता है कि इन धमकियों के पीछे कौन है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि जिम्मेदार लोग बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं।

अमेरिका की वायुसेना ने इंग्लैंड में स्थित अपने एक सैन्य एयरबेस से सभी बमवर्षक विमान वापस बुला लिए हैं। यह एयरबेस अमेरिकी नियंत्रण में है। यहां से ईरान पर हमले किए गए थे। यह कदम आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस पर कथित आतंकी हमले की साजिश की जांच के बाद उठाया गया है।

आरएएफ फेयरफोर्ड लंदन से करीब 100 मील यानी 160 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। मध्य पूर्व में दशकों से चले आ रहे संघर्षों के दौरान अमेरिका इस एयरबेस का इस्तेमाल अपने बमवर्षक विमानों के लिए करता रहा है।

पेंटागन ने पुष्टि की है कि आरएएफ फेयरफोर्ड पर तैनात सभी अमेरिकी बॉम्बर्स मूल ठिकानों पर लौट रहे हैं, हालांकि उन्होंने नई चेतावनियों पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, यह नई जानकारी उसी खतरे का हिस्सा थी जो तीन हफ्ते पहले सामने आई थी, लेकिन पिछले 24 घंटों में कुछ विशिष्ट विवरण मिले और तत्परता की स्थिति अचानक बढ़ गई, जिसके बाद सैन्य कमांडरों ने तत्काल निकासी का फैसला लिया। मिलिट्री एयर ट्रैफिकिंग अलायंस जैसे विमानन गतिविधियों पर नजर रखने वाले समूहों ने ईरान युद्ध शुरू होने के शुरुआती दिनों से आरएएफ फेयरफोर्ड से दर्जनों बी-52 और बी-1 बमवर्षकों को उड़ान भरते देखा है। निगरानी करने वालों ने रविवार को कई बी-1 बमवर्षकों को इस एयरबेस से उड़ान भरते देखा। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इनमें नए हमले भी शामिल हैं। ट्रंप ने शुरुआत में अमेरिकी लोगों से कहा था कि यह अभियान कुछ हफ्तों तक चलेगा।

व्हाइट हाउस से ओहायो में एक रैली के लिए रवाना होते समय ट्रंप ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, ईरान को लेकर मेरे पास फैसले हैं, जो मैं करूंगा। ईरान तबाह हो चुका है। इसलिए एकमात्र सवाल यह है कि यह आसान तरीका होगा या मुश्किल तरीका।

**ब्रिटिश उपन्यासकार जेफ्री आर्चर का निधन**

## कलम से पाई शोहरत, सियासत से विवाद और जेल तक; ऐसा रहा जीवन का सफर

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन के मशहूर लेखक और पूर्व राजनेता जेफ्री आर्चर का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। अपनी किताबों से दुनिया भर में पहचान बनाने वाले आर्चर का राजनीतिक जीवन झूठी गवाही के मामले में जेल जाने के बाद विवादों में घिर गया था। प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स ने बताया कि आर्चर का सोमवार को उनके घर पर निधन हुआ। खास बात यह है कि उनकी आखिरी किताब 'एडम और ईव' के वैश्विक रिलीज से ठीक एक दिन पहले उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। जेफ्री आर्चर का लेखकीय सफर करीब पांच दशक लंबा रहा। उनकी पहली किताब 'नॉट ए पेनी मोर, नॉट ए पेनी लेस' 1976 में प्रकाशित हुई थी। यह उपन्यास उनके उस दौर से प्रेरित बताया जाता है, जब खराब निवेश के चलते वह लगभग दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गए थे। इसके बाद 'केन एंड एबेल' समेत उनकी कई किताबें बेहद लोकप्रिय हुईं। हार्पर कॉलिन्स के अनुसार, आर्चर की किताबों की दुनिया भर में करीब 30 करोड़ प्रतियां बिकीं। वह ब्रिटेन की 'संडे टाइम्स' बेस्टसेलर सूची में 14 साल पांच महीने और 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की सूची में पांच साल से ज्यादा समय तक बने रहे। आर्चर ने लेखन के साथ ब्रिटेन की राजनीति में भी मजबूत जगह बनाई। वह प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर के दौर में कंजर्वेटिव पार्टी में तेजी से आगे बढ़े।



## फ्लाईदुबई हमले के पीछे किसका हाथ: डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर जताया शक

**वाशिंगटन,एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार फ्लाईदुबई घटना को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि 30 सितंबर की 30 सितंबर की फ्लाईदुबई घटना के लिए ईरान जिम्मेदार था। बता दें कि जिसमें भारतीय पायलट स्मित मच्छार को ओमान के को-पायलट हमम अल-हम्मी ने चाकू मार दिया था। ट्रंप की ये टिप्पणियां तब आईं जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को अलास्का जाते समय पत्रकारों से कहा कि इस घटना को ईरान से जोड़ने वाली कोई पक्की बात नहीं है। घटना की जांच कर रहे यूएई के अधिकारियों ने अभी तक हमले के पीछे कौन था। इस पर कोई पक्का नतीजा नहीं बताया है क्योंकि जांच अभी जारी है। सऊदी अरब के अधिकारियों द्वारा शुरुआती पूछताछ के बाद अल-हम्मी को यूएई को सौंप दिया गया है। सोमवार दोपहर जब ट्रंप 'एयर फोर्स वन' में सवार हो रहे थे, तो एक रिपोर्टर ने उनसे फ्लाईदुबई की घटना में ईरान की भूमिका के बारे में पूछा। ट्रंप ने कहा, मुझे ऐसा लगता है। मुझे व्यक्तिगत रूप से ऐसा लगता है।' हालांकि, जब सोमवार को अलास्का के लिए रवाना होते समय पत्रकारों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सेकंड लेडी उषा वेंस से इस बारे में पूछा, तो ओहायो के रिपब्लिकन नेता ने बहुत सावधानी बरती। सीधे टिप्पणी करने के बजाय, उन्होंने कहा कि वह इस मामले को सीआईए डायरेक्टर पर छोड़ देंगे, क्योंकि वे इस पर टिप्पणी करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। जेडी वेंस ने कहा, 'यह मामला मैं जॉन रैटक्लिफ और कुछ इंटेलिजेंस अधिकारियों पर छोड़ता हूं। मैं किसी भी घोषणा से पहले कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन निश्चित रूप से हम इस पर गौर कर रहे हैं। हालांकि, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने अभी तक कोई ठोस सबूत देखा है। इस्राइल, यूएई और सऊदी अरब के अधिकारियों ने फ्लाईदुबई की घटना को आतंकी हमला बताया है। लेकिन अभी भी यह सवाल बना हुआ है कि क्या हमला करने वाले को-पायलट ने अकेले यह कदम उठाया या वह किसी बड़ी आतंकी साजिश का हिस्सा था। एबीसी न्यूज ने जांच की जानकारी रखने वाले अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि जांचकर्ताओं का मानना है कि ओमान के को-पायलट ने किसी बड़े संगठन का हिस्सा होने के बजाय अकेले ही यह काम किया।

## अमेरिका में 40 लोगों की छिनेगी नागरिकता, एक भारतीय पर भी गिरेगी गाज

**वाशिंगटन एजेंसी।** अमेरिका ने आधुनिक इतिहास में नागरिकता रद्द करने की सबसे बड़ी प्रक्रिया शुरू की है, जिसके तहत उसने भारतीय मूल के एक व्यक्ति समेत 40 लोगों की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने के लिए विभिन्न अदालतों में कार्रवाई शुरू की है। न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। इन 40 लोगों के खिलाफ अमेरिका की कई अदालतों में नागरिकता रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है। उन पर विदेशी सरकार के एजेंट के रूप में काम करने, गैर इरादतन हत्या और एक दिव्यांग व्यक्ति के साथ गंभीर यौन अपराध समेत कई गंभीर अपराधों के आरोप हैं। कैलिफोर्निया के बलविंदर सिंह के खिलाफ राज्य की ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में नागरिकता रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है। उस पर फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर अमेरिका में प्रवेश पाने और अमेरिकी नागरिकता हासिल करने का आरोप है।

अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने सोमवार को कहा, ÷आज की घोषणा आधुनिक इतिहास में नागरिकता रद्द करने की सबसे बड़ी प्रक्रिया की शुरुआत है। आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत अगर किसी व्यक्ति ने प्राकृतिक रूप से मिली अमेरिकी नागरिकता गैरकानूनी तरीके से हासिल की हो या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाकर अथवा जानबूझकर गलत जानकारी देकर हासिल की हो, तो उसकी नागरिकता रद्द की जा सकती है। न्याय विभाग के सिविल डिवीजन के सहायक अटॉर्नी जनरल ब्रेट ए. शूमेट ने कहा, इन सभी लोगों ने अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए झूठ का सहारा लिया। शूमेट ने कहा, यह प्रशासन विभाग के इतिहास में नागरिकता रद्द करने की सबसे बड़ी प्रक्रिया को आगे भी जारी रखेगा, ताकि अमेरिकी नागरिकता में विश्वास और उसकी विश्वसनीयता बहाल की जा सके। हमारा संदेश स्पष्ट है - अमेरिका नागरिकता हासिल करने की प्रक्रिया में धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं करेगा। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, सिंह ने 1992 में बलविंदर सिंह के नाम और पहचान से आव्रजन के लिए आवेदन दिया था। वर्ष 2003 में उसने दूसरी पहचान के तहत स्थायी निवासी का दर्जा हासिल करने के लिए आवेदन किया और उसे यह दर्जा मिल गया। न्याय विभाग ने कहा, उंगलियों के निशान से यह साबित होता है कि सिंह ने दोनों आवेदन जमा किए थे। वर्ष 2009 में सिंह ने अपनी दूसरी पहचान के तहत अमेरिकी नागरिकता हासिल की। शिकायत में उसके द्वारा गलत जानकारी देने और गैरकानूनी गतिविधियों से जुड़े सात आरोप लगाए गए हैं। विभाग ने बताया कि वह चीन में जन्मे अमेरिकी नौसेना के पूर्व नाविक जिंचाओ वेई की नागरिकता रद्द करने की भी मांग कर रहा है। वेई को जासूसी से जुड़े अपराधों में दोषी ठहराया जा चुका है। अमेरिकी नौसेना में भर्ती हुआ था और फरवरी 2022 तक उसने चीन को सैन्य गोपनीय जानकारी बेचने की साजिश शुरू कर दी थी। उसने मई 2022 में अमेरिकी नागरिकता हासिल की थी। वेई को अगस्त 2025 में जासूसी करने की साजिश, जासूसी और रक्षा सामग्री से संबंधित तकनीकी आंकड़ों के अवैध निर्यात के अपराधों में दोषी ठहराया गया था। उसे 200 महीने की जेल की सजा सुनाई गई और नौसेना से बर्खास्त कर दिया गया। जिन लोगों के खिलाफ नागरिकता रद्द करने की कार्रवाई शुरू की गई है, उनमें पाकिस्तान, मेक्सिको, कंबोडिया, नेपाल और अफगानिस्तान के लोग भी शामिल हैं।



# चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने की कोशिश में 'दुश्मन देश'

**वाशिंगटन, एजेंसी।** 'परमाणु शक्ति'। ह एक ऐसा शब्द है, जिसका जिक्र होते ही ुनिया में असीमित ताकत रखने वाले वाले शों की चर्चा होना लाजमी है। हालांकि, अब ह असीमित ताकत सिर्फ पृथ्वी तक ही सीमित हीं रहने वाली है। भविष्य के लिए जो योजनाएं यार की जा रही हैं, उसके तहत अब परमाणु क्ति पैदा करने वाले न्यूक्लियर रिएक्टर्स को ंतरिक्ष से आगे चांद तक ले जाने की कवायद ुरू हो गई। जिन दो दुश्मन धड़ों के बीच यह ुकाबला होना तय है, उनमें एक तरफ है मेरिका और दूसरी तरफ हैं उसका पारंपरिक तिद्वंद्वी रूस। इतना ही नहीं मुकाबले में रूस क साथ है उसका पारंपरिक सहयोगी और ड़ोसी चीन। यानी पृथ्वी पर दो पक्षों के बीच ारी परमाणु शक्ति का मुकाबला अब चांद क पहुंचने वाला है। ऐसे में यह जानना अहम : कि आखिर चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने ा मतलब क्या है? अमेरिका और रूस-चीन इस रेस में क्यों जुट गए हैं?

### पहले जानें- चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने का मतलब क्या है?

चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने और लगाने की जो रेस शुरू हुई है, उसका सीधा मतलब यह है कि अब यह देश चांद पर अपने स्थायी ठिकाने (लूनर बेस) बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं, जिन्हें चलाने के लिए जरूरी ऊर्जा लगातार सिर्फ परमाणु संयंत्र से ही आ सकती है। इन स्थायी ठिकानों से ही चांद पर आगे यह देश स्थायी बस्तियों को बसाने की कोशिशें शुरू कर सकेंगे।

चांद पर फिलहाल लगातार ऊर्जा हासिल करने का कोई स्रोत नहीं मिल सका है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि चांद का माहौल पृथ्वी की तरह नहीं है। यहां मशीनों को ऊर्जा देने के लिए सूरज की रोशनी से पैदा होने वाली सौर ऊर्जा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में अलग-अलग देश अपने चांद के मिशन्स में लैंडर और रोवर में सौर ऊर्जा से चलने वाले सोलर सेल वाले पैनल लगाकर भेजते हैं। यही सोलर सेल सूरज की रोशनी में कार्य करते हैं और साथ ही इतनी ऊर्जा इकट्ठा कर लेते है कि सूर्य की रोशनी की गैरमौजूदगी में भी मशीनें चांद पर काम कर सकें। हालांकि, इन सोलर सेल्स की क्षमता छोटी मशीनों को चलाने लायक ही होती है। ऐसे में बड़ी मशीनों और आने वाले समय में इंसानों के बेस को ऊर्जा देने के लिए परमाणु संयंत्र लगाने की जरूरत महसूस की जा रही है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाले यह संयंत्र चांद पर निर्बाध बिजली मुहैया करा सकते हैं।

मौजूदा समय में अमेरिका और रूस-चीन दोनों पक्षों का मुख्य लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद जम चुकी बर्फ पर रिसर्च कर पानी जैसे कीमती संसाधनों पर नियंत्रण हासिल करना है। इसके अलावा, चंद्रमा को सौर मंडल में गहराई तक, जैसे- मंगल ग्रह जाने वाले



भविष्य के अभियानों के लिए एक लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल करने की योजना भी तैयार की जा रही है, जिसके लिए चांद पर इंसानों का एक ठिकाना बनाना भी जरूरी होगा। ऐसे में अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी- नासा और रूस की रोसातोम ने परमाणु संयंत्रों को चांद पर पहुंचाने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। रूस और चीन की तरफ से फिलहाल इससे जुड़ी टाइमलाइन 2036 तक की रखी गई है। हालांकि, इस चुनौती के मद्देनजर अमेरिका ने भी परमाणु संयंत्र को चांद पर पहुंचाने का प्रोजेक्ट 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसके पीछे एक डर यह है कि रूस और चीन अगर चंद्रमा पर अपना रिएक्टर पहले स्थापित कर लेते हैं तो वे इसके एक क्षेत्र को डी फैक्टो नो-गो जोन (एक्सक्लूसिव) यानी अपना इलाका बनाकर उसमें एंट्री बंद न कर दें। 1950 के दौर की तरह ही अंतरिक्ष में सर्वोच्चता हासिल करना अमेरिका के लिए नाक का सवाल बन गया है, जबकि चीन-रूस के लिए यह अमेरिका को पछाड़ने और राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा मामला बन गया है। चंद्रमा पर परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की होड़ में दोनों प्रमुख धड़े- अमेरिका बनाम रूस-चीन गठबंधन की तैयारियां, समयसीमा और प्रगति तेज हो गई है। - नासा दिसंबर 2028 तक परमाणु ऊर्जा के जरिए अंतरिक्ष यान को मंगल ग्रह की ओर भेजने की योजना भी बना रहा है। नासा ने अपने कॉन्ट्रैक्टर्स से एक ऐसे परमाणु रिएक्टर का निर्माण करने को कहा है जो अंतरिक्ष यात्रा की परिस्थितियों को झेल सके और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बिना किसी इंसानी रख-रखाव के चल सके। नासा ने इस 'लूनर रिएक्टर-1' को दिसंबर 2030 तक लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। अमेरिका का यह रिएक्टर लगभग 20 किलोवाट बिजली पैदा करने और पांच वर्षों तक बिना इंसानी दखल के चलने के लिए डिजाइन किया जा रहा है।



**हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।**

# बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

## बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें ।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

## अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

## उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

## आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।





## सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

## नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।



# घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

### चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

### कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

### मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

### गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

### चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

### गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

### पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

**फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।**



# घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

## कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।



## जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

## जब करें पूजा

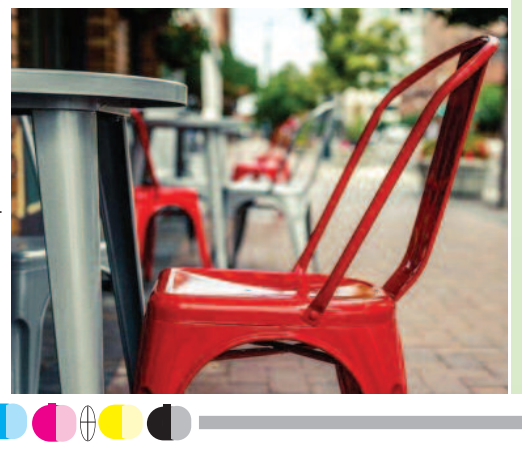
ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

## लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

## प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।







# 1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

### सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

### कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

### हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

### धनिया उगाने का आसान तरीका

**आवश्यक सामग्री**- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

**विधि** - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

# भारत समेत 7 देश नवंबर में IOC के सामने रखेंगे मेजबानी का दावा



एजेंसी लुसाने

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने मंगलवार को कहा कि भारत, जर्मनी, कतर और तुर्किये समेत सात देशों ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी में रूचि दिखाई है और उन्हें नवंबर में 'फ्यूचर होस्ट कमीशन' के सामने अपने प्रोजेक्ट पेश करने के लिये बुलाया गया है। आईओसी ने कहा कि प्रोजेक्ट का आकलन कई तकनीकी पहलुओं पर किया जायेगा जिनमें आयोजन स्थलों का मास्टर प्लान और खिलाड़ियों का अनुभव, फंडिंग को लेकर रणनीति, राजनीतिक और जनता का समर्थन, मेजबानी की क्षमता और मेजबान समुदायों को दीर्घकालिन फायदे पहुंचाने वाली विरासत रणनीति शामिल है। आईओसी ने इन 'प्रेजेंटेशन' के लिये कोई निश्चत समय सीमा नहीं बताई। आईओसी ने एक बयान में कहा ,'' इच्छुक पक्ष आईओसी से लगातार संवाद कर रहे हैं और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा रखने वाले देश हैं : जर्मनी, हंगरी, भारत, कतर, कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और तुर्किये।' इसमें आगे कहा गया ,''कई राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एनओसी) 2036 के बाद होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी को लेकर आईओसी के साथ शुरूआती बातचीत में शामिल है। इच्छुक पक्षों को नवंबर में 'फ्यूचर होस्ट कमीशन' के सामने अपना प्रोजेक्ट पेश करने के लिये आमंत्रित किया गया है।'' आईओसी ने कहा कि 31 अक्टूबर के बाद 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिये किसी और इच्छुक पक्ष पर विचार नहीं किया जायेगा। पहली बार ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा जताने वाले भारत ने अहमदाबाद को मेजबानी के लिये चुना है। भारत ने 2024 में ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा जताने संबंधी आशय पत्र सौंप दिया था। इसके बाद आईओसी की नयी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने मेजबान चयन प्रक्रिया रोक दी थी और कहा था कि प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिये सदस्य देशों से राय ली जायेगी। 2036 ओलंपिक के मेजबान का ऐलान 2029 के मध्य में किया जायेगा। भारत की ओर से संवाद की अगुवाई खेल मंत्रालय के सहयोग से भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) गुजरात सरकार के साथ मिलकर करेगा। आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने कहा ,'' मैं खुशकिस्मत थी कि मुझे चार महाद्वीपों में पांच ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने का मौका मिला। हर ओलंपिक की अपनी अलग खासियत थी। हर मेजबान देश ने अपने लोगों, अपनी संस्कृति और खेलों के आयोजन के अपने तरीके से कुछ अनोखा पेश किया।'' उन्होंने कहा ,''लेकिन जब भी खेल होते हैं तो एक चीज कभी नहीं बदलती कि हर चीज का केंद्र खिलाड़ी होते हैं। एक खिलाड़ी होने के नाते ओलंपिक खेलने का सपना पूरा करने के लिये आप बरसों मेहनत करते हैं।'' उन्होंने कहा ,'' ओलंपिक खेलों में भागीदारी का अनुभव जीवन भर आपके साथ रहता है। इसलिये भविष्य के हर मेजबान के लिये खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ अनुभव देना शुरूआती कदम होना चाहिये।'' इससे पहले जून में आईओसी ने ओलंपिक मेजबान चुनने की प्रक्रिया की समीक्षा के तहत 'विकसित प्रोजेक्ट वाले इच्छुक पक्षों' को चुनने के लिये एक रणनीतिक बातचीत का चरण शुरू किया था। नवंबर में होने वाले 'प्रेजेंटेशन' के बाद का अगला चरण लक्ष्य केंद्रित संवाद की बजाय रणनीतिक संवाद होगा जो बदले हुए ढांचे में भी निर्णय लेने की प्रक्रिया का अंतिम चरण बना रहेगा। अंतिम चरण 2028 में शुरू होगा। लक्ष्य केंद्रित संवाद के बाद आईओसी सदस्यों को 'फ्यूचर होस्ट कमीशन' से रिपोर्ट मिलेगी।

इसके बाद 2029 के मध्य में आईओसी कार्यकारी बोर्ड उन पसंदीदा मेजबानों को चुनेगा जिन्हें 2036 ओलंपिक खेलों का मेजबान चुनने के लिये आईओसी सत्र में चुनाव के लिये पेश किया जायेगा।

# पहली पारी में 141 रनों की बढ़त, चार विकेट भी चटकाए, ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 पर पूरी तरह हावी भारतीय टीम

एजेंसी अहमदाबाद



भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में अपना दबदबा बना लिया है। मैच के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की पहली पारी सिर्फ 174 रनों पर सिमट गई थी। इंडिया की टीम ने अपनी पहली पारी में 315 रन बना दिए। 184 रन पर ही भारत के 8 विकेट गिर चुके थे। इसके बाद भी टीम 315 तक पहुंची और पहली पारी में 141 रनों की बड़ी बढ़त बना ली। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 86 रन पर 4 विकेट खो दिए हैं। भारत के पास अभी भी 55 रनों की बढ़त है।

भारतीय अंडर-19 टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज अभिप्राय बिस्वास ने सबसे बड़ी 73 रनों की पारी खेली। उन्होंने 62 गेंदों का सामना किया और 11 चौकों के साथ ही दो छक्के मारे। उन्होंने 9वें विकेट के लिए प्रियांशु सिंह के साथ 89 रनों की साझेदारी की। इस दौरान दोनों ने 94 गेंदों का सामना किया। आखिरी विकेट के लिए प्रियांशु और तन्मय बलोदा के बीच 42 रनों की साझेदारी हुई। प्रियांशु ने 30 नाबाद रन बनाए तो तन्मय के बल्ले से 28 रन निकले।

कप्तान यशबर्धन चौहान ने भारतीय टीम के लिए फिफ्टी ठोकी। वह 52 रन बनाकर आउट हुए। कुशाग्र ओझा के बल्ले से 29 रनों की पारी निकली तो मनल चौहान ने 34 और आर्यन यादव ने 30 रन बनाए। स्पेंसर ग्रीन ने सबसे ज्यादा 7 विकेट चटकाए। ऑस्ट्रेलिया के चारों विकेट तन्मय बलोदा को मिले

दूसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 26 ओवर में 4 विकेट पर 86 रन बना लिए हैं। टॉप-3 बल्लेबाजों में कोई दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाया। स्टंप के समय ब्लेक काटल 11 और जेड हॉलिक 12 रन बनाकर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के गिरे सभी 4 विकेट तन्मय बलोदा ने लिए हैं। उन्होंने पहली पारी में 6 विकेट लिए थे। इस तरह मैच में उनके 10 विकेट हो चुके हैं।

# 9 दिन में इस खिलाड़ी का दो बार डेब्यू, वैभव सूर्यवंशी बाहर, 150 की स्पीड वाले को भी मिली टीम में एंट्री



एजेंसी नई दिल्ली

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे पहले टी20 मुकाबले में भारतीय टीम मैनेजमेंट ने बड़ा दांव खेला है। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की जगह संजू सैमसन को ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर प्लेइंग इलेवन में तरजीह दी गई है। इसके साथ ही भारतीय सरजमीं पर इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार कर रहे वैभव को अपनी बारी के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। सैमसन अब अभिषेक शर्मा के साथ भारतीय पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के दौरान सैमसन की हालिया सहजता को देखते हुए उन्हें टॉप ऑर्डर में वापस लाया गया है। एशिया की परिस्थितियों में सैमसन का रिकॉर्ड शानदार रहा है और उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में दो बेहतरीन अर्धशतक भी जड़े थे। वहीं मिडल ऑर्डर को मजबूती देने के लिए ईशान किशन को नंबर 3 पर शामिल किया गया है जिसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर, तिलक वर्मा और शिवम दुबे मोर्चा संभालेंगे। इस मुकाबले में युवा ऑलराउंडर नमन धीर के लिए भी यह पल बेहद खास रहा, जब तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने उन्हें पहली टी20 कैप सौंपी। हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ ही वनडे डेब्यू करने वाले नमन धीर अब क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत ने इस मैच के लिए प्लेइंग इलेवन में कुल चार बदलाव किए हैं जिसमें रवि बिश्नोई, नितिश कुमार रेड्डी, वैभव सूर्यवंशी और प्रिंस यादव को बाहर बैठना पड़ा है। दूसरी तरफ वेस्टइंडीज की कमान शाई होप संभाल रहे हैं जो टीम के मुख्य विकेटकीपर भी हैं। कैरेबियाई टीम में कामिल पूरन, शिमरॉन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड जैसे ताबड़तोड़ बल्लेबाज शामिल हैं। इसके अलावा रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्ड और रोस्टन चेज जैसे ऑलराउंडर्स टीम को एक मजबूत गहराई प्रदान करते हैं। मेहमान टीम के लिए यह मुकाबला ऐतिहासिक भी है, क्योंकि उनके अनुभवी स्पिनर अकील हुसैन अपना 100वां टी20 इंटरनेशनल मैच खेल रहे हैं। लखनऊ के मैदान पर इस उपलब्धि को हासिल करना उनके करियर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण को धार देने का जिम्मा शमार स्प्रिंगर और तेज गेंदबाज शमार जोसेफ के कंधों पर रहेगा। भारतः अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नमन धीर, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, मयंक यादव। वेस्टइंडीजः शाई होप (कप्तान और विकेटकीपर), कामिल पूरन, शिमरॉन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्ड, रोस्टन चेज, अकील हुसैन, शमार स्प्रिंगर, शमार जोसेफ।

# तीरंदाज गणेश मणि रत्नम नेएशियाई खेलमें जीता गोल्ड और कांस्य, अब LA 2028 पर नजर

एजेंसी नई दिल्ली



जापान में हुए 2026 एशियाई खेलों में दो मेडल जीतने के बाद, जब भारतीय तीरंदाज गणेश मणि रत्नम तिरुमुरु आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा लौटे, तो स्पोर्ट्स एसोसिएशन, परिवार के सदस्यों और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। गणेश मणि रत्नम ने साहिल जाधव और कुशल दलाल के साथ मिलकर पुरुषों के कंपाउंड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता और पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत मुकाबले में ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया।

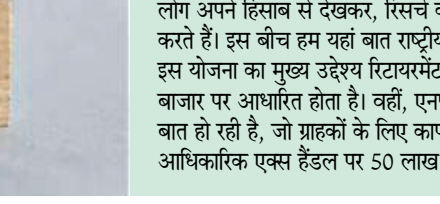
अपनी उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए मणि रत्नम ने कहा कि मैंने तीरंदाजी में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व किया है और मैंने एक व्यक्तिगत ब्रॉन्ज़ मेडल और एक टीम गोल्ड मेडल जीता है। मुझे बहुत गर्व है कि मैंने टीम इंडिया और अपने राज्य संघ के लिए दो मेडल जीते हैं। मेरे पहले एशियाई खेलों के लिए यह एक शानदार पल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि LA 2028 ओलंपिक में मिक्स्ड टीम इवेंट के लिए भारत के कोटा ने 2028 के खेलों को उनका अगला लक्ष्य बना दिया है। उन्होंने कहा कि चूंकि हमें ओलंपिक में मिक्स्ड टीम के लिए LA 2028 का कोटा मिल गया है, इसलिए मेरा अगला लक्ष्य LA 2028 होगा और मैं इस पर काम करूंगा। सरकार ने मुझे आर्थिक और नैतिक समर्थन दिया है। हर कोई हमें बहुत समर्थन दे रहा है, जिससे मुझे अपने पहले एशियाई खेलों में ये दो मेडल जीतने में मदद मिली। मणि रत्नम ने वियतनाम के कांग डुक डैंग को 149-144 से हराकर पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत इवेंट में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता।

इससे पहले, मणि रत्नम, कुशल दलाल और साहिल जाधव वाली भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने चीन को 238-237 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। साहिल जाधव का प्रदर्शन शानदार रहा, उन्होंने हर शॉट पर 10 अंक हासिल किए, जबकि कुशल दलाल और गणेश मणि रत्नम ने भी अहम 10 अंक दिलाए। हालांकि भारत फाइनल के ज़्यादातर समय पीछे चल रहा था, लेकिन उन्होंने दबाव बनाए रखा और आखिरी राउंड में चीन से आगे निकलकर जीत हासिल की।

## व्यापार

# एआई के दबाव से बदला भारतीय आईटी कंपनियों का बिजनेस मॉडल और कमाई का तरीका

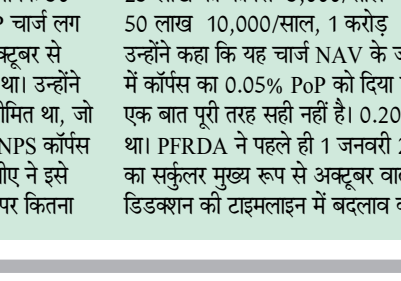
एजेंसी नई दिल्ली



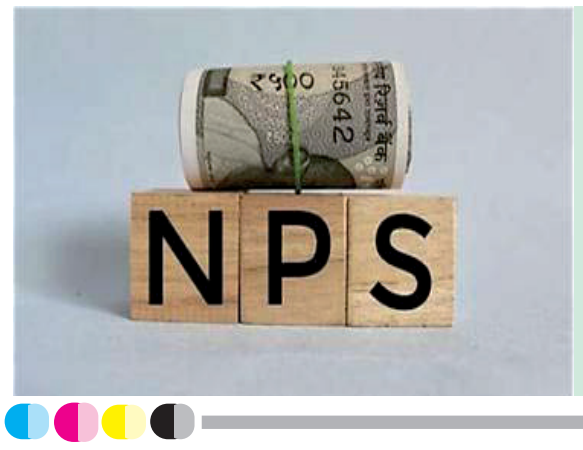

भारत का आईटी सेवा क्षेत्र इस बार की सितंबर तिमाही के नतीजों में सिर्फ कमजोर वृद्धि की चिंता से नहीं जूझ रहा है। असली सवाल अब यह है कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से मिलने वाली उत्पादकता का फायदा आखिर किसे मिल रहा है। कंपनियों को बड़े काम मिल रहे हैं, दुनिया भर में तकनीक पर खर्च भी जारी है, लेकिन हर काम से होने वाली कमाई पर दबाव बढ़ रहा है। करीब 315 अरब डॉलर का भारतीय तकनीक उद्योग लंबे समय से देश के लिए कमाई और रोजगार का बड़ा जरिया रहा है। इसका पुराना कारोबार मॉडल काफी सीधा था। विदेशी कंपनियों को तकनीक से जुड़े काम के लिए बड़ी संख्या में लोगों की जरूरत होती थी और भारत में कम लागत पर बड़ी संख्या में कुशल इंजीनियर उपलब्ध थे। जैसे-जैसे नए ग्राहक और परियोजनाएं बढ़ीं, वैसे-वैसे कंपनियों की कमाई और कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ती गई। लेकिन अब यह पुराना तरीका धीरे-धीरे बदल रहा है। नैसकॉम के अनुसार, भारत के तकनीक उद्योग में करीब 6 मिलियन लोग काम करते हैं। उद्योग संगठन के अध्यक्ष राजेश नांबियार का कहना है कि एआई ने इस क्षेत्र के पहले चले आ रहे सीधी रफ्तार वाले विकास मॉडल को बदल दिया है। कंपनियां अब उतने शुरुआती स्तर के कर्मचारियों की जरूरत महसूस नहीं कर रही हैं, क्योंकि अनुभवी कर्मचारियों की क्षमता एआई की मदद से काफी बढ़ सकती है। बता दें कि यही बदलाव कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच कीमत को लेकर नई खींचतान पैदा कर रहा है। पहले ग्राहक तय संख्या में कर्मचारियों या काम के घंटों के हिसाब से भुगतान करते थे। अब वे कम लोगों और कम समय में वही नतीजा चाहते हैं। ऐसे में एआई से बढ़ी उत्पादकता का एक हिस्सा ग्राहकों को कम कीमत के रूप में वापस देना पड़ रहा है। इसका असर खासकर सॉफ्टवेयर सुधार, जांच और पुराने तकनीकी सिस्टम की देखभाल जैसे कामों में दिखाई दे रहा है। कुछ कंपनियां ऐसे काम खुद भी करने लगी हैं। यानी तकनीक पर खर्च कम नहीं हुआ है, बल्कि उस खर्च का एक हिस्सा बाहरी सेवा देने वाली कंपनियों के बजाय सीधे ग्राहकों की अपनी तकनीकी टीमों तक जा रहा है।गौरतलब है कि सर्विसनाउ के अनुसार 2026 में भारत में कंपनियों का एआई पर निवेश 119% बढ़ा है। औसतन भारतीय कंपनियां अपने तकनीकी बजट का 16.6% हिस्सा एआई पर खर्च कर रही हैं और 2027 तक यह हिस्सा 21.3% पहुंचने का अनुमान है। इससे साफ है कि तकनीक पर पैसा आ रहा है, लेकिन उसका पूरा फायदा पारंपरिक आईटी सेवा कंपनियों को नहीं मिल रहा है। इस बदलाव में वैश्विक क्षमता केंद्र भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। नैसकॉम-जिनोव के आंकड़ों के अनुसार भारत में 2,100 से ज्यादा ऐसे केंद्र हैं, जिनमें करीब 2.36 मिलियन लोग काम करते हैं और इनसे लगभग 100 अरब डॉलर का कारोबार जुड़ा है। वित्त वर्ष 2026 में इन केंद्रों ने करीब 200,000 लोगों को रोजगार दिया, जबकि आईटी सेवा कंपनियों ने करीब 110,000 लोगों को जोड़ा। हालांकि तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। कई आईटी कंपनियां अब इन्हीं केंद्रों के कुछ कारोबार को अपने साथ जोड़ रही हैं। टीसीएस ने बेस्ट बाय के भारत स्थित तकनीकी केंद्र को संभालने की प्रक्रिया शुरू की है। एचसीएलटेक ने गार्डियन लाइफ का भारत कारोबार करीब 2,000 कर्मचारियों के साथ लिया है। विप्रो ने 386 मिलियन डॉलर में माइंडस्प्रिंट का अधिग्रहण किया, जिससे 3,200 से ज्यादा कर्मचारी उसके साथ आए। इंफोसिस ने डांस्के बैंक का भारत स्थित तकनीकी केंद्र भी अपने साथ जोड़ा है।

# एनबीएफसी गोल्ड लोन 69.1% उछलकर 3.65 लाख करोड़ पहुंचा, हाउसिंग लोन में भी सुधार

एजेंसी नई दिल्ली




रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI) के डेटा से पता चला कि अगस्त में नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (NBFCs) की तरफ़ से रिटेल लोन देने में तेज़ी आई। हाउसिंग और गोल्ड लोन में मज़बूत ग्रोथ की वजह से यह सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि एक साल पहले यह 13.6 प्रतिशत था। RBI के बयान के अनुसार, सोने के गहनों के बदले लोन सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले रिटेल क्रेडिट सेगमेंट में से एक बना रहा; अगस्त में यह सालाना आधार पर 69.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 3.65 लाख करोड़ रुपये हो गया। RBI ने NBFC द्वारा क्रेडिट के सेक्टर-वाइज़ बंटवारे पर जारी अपनी रिपोर्ट में कहा अगस्त में रिटेल लोन की ग्रोथ सालाना आधार पर 22.0 प्रतिशत हो गई, जबकि एक साल पहले यह 13.6 प्रतिशत थी।" रिटेल लोन देने में यह तेज़ी तब आई जब NBFC की कुल क्रेडिट ग्रोथ भी मज़बूत हुई। अगस्त में NBFC द्वारा दिए गए कुल क्रेडिट में सालाना आधार पर 15.8 प्रतिशत की ग्रोथ हुई, जो एक साल पहले 10 प्रतिशत थी; कुल बकाया क्रेडिट लगभग 60.64 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया। रिटेल क्रेडिट के अंदर, हाउसिंग लोन में एक साल पहले की तुलना में 12.1 प्रतिशत की ग्रोथ हुई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 3.8 प्रतिशत थी। RBI के बयान के अनुसार, व्हीकल लोन की ग्रोथ 15.4 प्रतिशत पर मज़बूत बनी रही, जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन में 56.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सेंट्रल बैंक ने कहा कि रिटेल लोन में 'हाउसिंग लोन' और 'गोल्ड ज्वेलरी के बदले लोन' वाले सेगमेंट में क्रेडिट ग्रोथ तेज़ी से बढ़ी, जबकि 'व्हीकल लोन' में भी थोड़ी बढ़ोतरी के साथ मज़बूत ग्रोथ बनी रही।" डेटा से पता चलता है कि परिवारों को दिए जाने वाले लोन, कुल NBFC क्रेडिट की तुलना में तेज़ी से बढ़ रहे हैं, और गोल्ड-बैक्ड लोन (सोने के बदले लिए गए लोन) में खास तौर पर तेज़ी से बढ़ोतरी हो रही है। RBI ने कहा, "अगस्त 2026 में खेती और उससे जुड़े कामों के लिए क्रेडिट में 17.4% (साल-दर-साल) की मज़बूत ग्रोथ दर्ज की गई, जबकि एक साल पहले यह 5.1% थी।" इंडस्ट्री क्रेडिट ग्रोथ मोटे तौर पर 8.4% पर स्थिर रही, जो एक साल पहले 8.3% थी। इसके उलट, सर्विस सेक्टर को दिए जाने वाले लोन की ग्रोथ 24% से घटकर 16.2% हो गई। RBI ने कहा, "जहां 'कमर्शियल रियल एस्टेट' के लिए क्रेडिट में ज़बरदस्त बढ़ोतरी हुई, वहीं 'ट्रेड' और 'ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स' सेगमेंट में क्रेडिट ग्रोथ धीमी हो गई। इसे भी पढ़ें: मशीनरी से लेकर कर्मचारी बीमा तक, रिफॉर्म या फिर आने वाला है कोई स्टॉर्म! GST 2.0 में अब क्या बदलाव करने जा रही है सरकार? RBI ने कहा कि सेक्टर-वाइज़ क्रेडिट डेटा, अपर और मिडिल लेयर की NBFCs और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों के एक सैंपल पर आधारित है। ये कंपनियाँ RBI के रेफरेंस डेटा में शामिल कुल क्रेडिट का लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा हैं।




# 50 लाख के कॉर्पस पर हर साल 10,000 का पीओपी चार्ज!

एजेंसी नई दिल्ली

देश में निवेश और बचत के लिए कई सारे विकल्प और योजनाएं हैं। इनमें से लोग अपने हिसाब से देखकर, रिसर्च करके और फिर पसंद के साथ निवेश करते हैं। इस बीच हम यहां बात राष्ट्रीय पेंशन सिस्टम (NPS) की कर रहें है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य रिटायरमेंट फंड बनाना और पेंशन है। इसका रिटर्न बाजार पर आधारित होता है। वहीं, एनपीएस में कॉर्पस पर हर साल PoP चार्ज की बात हो रही है, जो ग्राहकों के लिए काफी अहम है। सीए नितिन कौशिश ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर 50 लाख के कॉर्पस पर हर साल 10,000 का PoP चार्ज के गणित को समझाया है। आइए इसे जानते हैं... 50 लाख के NPS कॉर्पस पर सालाना 10 हजार रुपये का PoP चार्ज सीए नितिन कहते हैं कि आपके 50 लाख रुपये के NPS कॉर्पस पर अब सालाना 10,000 रुपये का PoP चार्ज लग सकता है। लेकिन, इसमें एक जरूरी बात हैः यह 0.20% चार्ज 1 अक्टूबर से शुरू नहीं हुआ था। यह पहले से ही जनवरी 2026 से लागू होना तय था। उन्होंने बताया कि पहले, NPS PoP चार्ज सालाना 50, 75 या 100 तक सीमित था, जो आपके योगदान पर निर्भर करता था। अब यह चार्ज हर साल आपके NPS कॉर्पस का 0.20% है और इसकी कोई अधिकतम सीमा नहीं बताई गई है। सीए ने इसे उदाहरण के साथ समझाया है। उन्होंने बताया है कि कितने के कॉर्पस पर कितना PoP चार्ज लग सकता है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब हैः

25 लाख का कॉर्पस 5,000/साल

50 लाख 10,000/साल, 1 करोड़ 20,000/साल, GST अलग से लगेगा।

उन्होंने कहा कि यह चार्ज NAV के जरिए एडजस्ट किया जाता है और हर तिमाही में कॉर्पस का 0.05% PoP को दिया जाता है। लेकिन, इस बदलाव के बारे में एक बात पूरी तरह सही नहीं है। 0.20% का चार्ज 1 अक्टूबर से शुरू नहीं हुआ था। PFRDA ने पहले ही 1 जनवरी 2026 से यही रेट तय कर दिया था। अगस्त का सर्कुलर मुख्य रूप से अक्टूबर वाले फ्रेमवर्क को ही दोहराता है और CRA डिडक्शन की टाइमलाइन में बदलाव करता है।



# लक्ष्मण के रोल में दो बार रिजेक्ट हुआ, राम के रोल में चुना गया

**'यारियां' से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाले देव शर्मा अभिनय की दुनिया में आने से पहले थिएटर और असिस्टेंट डायरेक्टर का अनुभव लेकर फिल्म मेकिंग और अभिनय की बारीकियां सीख चुके थे। 'मुजफ्फर नगर', 'जंक्शन वाराणसी', 'बेखुदी' जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके देव इन दिनों चर्चा में हैं अपनी ताजा-तरीन फिल्म महाकाव्य 'श्री रामायण कथा' से। इस फिल्म में वे श्री राम की भूमिका में हैं।**

सोशल मीडिया पर यह खबर सुर्खियों में है कि देव शर्मा को 'रामायण' में लक्ष्मण के किरदार के लिए एक नहीं, बल्कि दो बार रिजेक्ट किया गया था। अपनी नई फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे देव कहते हैं, 'हां, यह सच है। 'रामायण' में श्रीराम का किरदार मिलने से पहले मैं दो बार लक्ष्मण के लिए रिजेक्ट हुआ था। पहली बार (आदि पुरुष) में मेरा लुक टेस्ट अच्छा गया था, लेकिन उस रोल के लिए 20-25 और लोग भी कोशिश कर रहे थे। मुझे लगता है कि जिस कलाकार को चुना गया, उस दिन उसका अभिनय मुझसे थोड़ा बेहतर रहा होगा। दूसरी बार (रामायण) में भी बात कास्टिंग और शारीरिक बनावट के अनुपात की थी। अगर राम का किरदार निभाने वाला कलाकार 6 फीट 1 इंच का है और लक्ष्मण के लिए कोई 6 फीट 3 इंच का है, तो कद-काठी के अनुपात को देखते हुए उसे शुरुआत में ही रिजेक्ट किया जा सकता है, क्योंकि परंपरागत रूप से लक्ष्मण को कद में राम से छोटा दिखाया जाता है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि रणबीर कपूर ने मुझे उस रोल से निकलवाया या मेरे साथ किसी तरह का नेपोटिज्म हुआ।'

### पहले लगा रामायण मेरी किस्मत में नहीं

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा कुछ नहीं था। कलाकारों के चयन के अपने मापदंड होते हैं और फैसला उन्हीं के आधार पर लिया जाता है। दो बार रिजेक्ट होने के बाद मुझे लगा कि शायद 'रामायण' मेरे नसीब में नहीं है और मैंने तय कर लिया कि अब यह नहीं करना। लेकिन फिर निर्देशक अभिषेक का फोन आया। मुझे लगा कि वह फिर लक्ष्मण के लिए बुला रहे हैं, तो मैंने साफ कह दिया कि अब मैं यह किरदार नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, 'मैं आपको लक्ष्मण के लिए नहीं, राम जी के लिए बुला रहा हूं।' उस पल लगा कि हम इंसान भगवान से छोटी-छोटी चीजें मांगते हैं, जबकि हमारी किस्मत में शायद उससे कहीं बड़ी चीज लिखी होती है। जिस किरदार के लिए मैं दो बार रिजेक्ट हुआ, आखिरकार उसी 'रामायण' में मुझे श्रीराम बनने का मौका मिला।'

### कृष 3 में असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहा

अभिनय की दुनिया में आने से पहले देव शर्मा राकेश रोशन के साथ 'कृष 3' में असिस्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं। वे बताते हैं, 'जब मैं असिस्टेंट के रूप में जुड़ा, तो विशाखापट्टनम से ग्रेजुएशन करने और तेलुगू अच्छी होने का मुझे काफी फायदा मिला।

फिल्म की शूटिंग साउथ के रामोजी राव स्टूडियो में हो रही थी और क्राउड मैनेजमेंट से लेकर लोकल लोगों से कम्यूनिकेट करने तक मेरी भाषा की जानकारी बहुत काम आई। राकेश सर इस बात से काफी इम्प्रेस थे कि हमारा कम्यूनिकेशन इतनी आसानी से हो जाता था। मेरे लिए यह किसी सुपरपावर से कम नहीं था। राकेश सर की सबसे खास बात उनकी विनम्रता और जमीन से जुड़ा होना था। उनके सेट पर आर्टिस्ट और क्रू के बीच कोई फर्क नहीं किया जाता था।

### अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है

राम को लेकर की जाने वाली राजनीति पर वे कहते हैं, 'देखिए, जो लोग राम या रामायण जैसे विषयों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीति के लिए कर रहे हैं, उनका भला नहीं होने वाला। किसी भी विषय को किस तरह लिखा जा रहा है, उसका कंटेंट क्या है, उसे बनाने वाले की नीयत क्या है और वे कहना क्या चाहते हैं, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बचपन से हम अपने माता-पिता से संस्कार और सभ्यता सीखते हैं। हमारी संस्कृति, धरोहर और इतिहास हमें बेहतर इंसान बनने की सीख देते हैं। श्रीराम का चरित्र भी इन्हीं मूल्यों की मिसाल है, चाहे नारी सम्मान हो, त्याग हो, भाईचारा हो या जिम्मेदारी को समझकर उसे निभाना। ऐसी फिल्मों के जरिए हमें इन्हीं मूल्यों की बात करनी चाहिए। राम हर मन में बसते हैं, लेकिन रावण भी हर मन में मौजूद है। फर्क सिर्फ इतना है कि हमारी परवरिश, संस्कार और कर्म तय करते हैं कि हम अपने भीतर के राम को मजबूत करते हैं या रावण को हावी होने देते हैं। हमें अपने राम को बाहर खोजने की जरूरत नहीं, बल्कि अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है।'



# ब्रेकअप के बाद जिंदगी बदल गई है

अभिनेत्री उदिति सिंह इस समय रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' में नजर आ रही हैं। शो के दौरान उदिति ने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड और अभिनेता करण वाही के साथ रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की। उदिति ने बताया कि कैसे 'कोविड-19' लॉकडाउन के दौरान उनका रिश्ता खराब होने लगा था। साथी कंटेस्टेंट स्काउट से बात करते हुए उदिति ने कहा कि अलग होने के बाद उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पूरी तरह बदल गई। उदिति ने कहा, 'ब्रेकअप के बाद मेरे लिए यह एक तरह से वरदान साबित हुआ। क्योंकि उसके बाद मेरा पूरा करियर, मेरी पूरी लाइफ, सब कुछ बदल गया था।' उन्होंने आगे बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने और उनके एक्स-पार्टनर ने एक गोल्डन रिट्रीवर डॉग को अडॉप्ट किया था, जिसका नाम 'नोआ' है। उदिति सिंह ने कहा, 'हमने लॉकडाउन में साथ में नोआ नाम का गोल्डन रिट्रीवर लिया था, तो उसी को लेकर हमारे बीच काफी झगड़े शुरू हो गए थे। उस वक्त कोविड भी था, तो हम दोनों पर सफाई का काफी काम रहता था। मेरा सफाई करने का तरीका अलग था और उसका अलग। फिर वह इस बात को लेकर थोड़ा डॉमिनेट भी करता था और कहता था, 'तुम्हें नहीं आता।' क्योंकि वह उम्र को लेकर बहुत ज्यादा सोचता था, उसके लिए हर चीज ऐसी थी कि 'तुमसे नहीं हो पाएगा। तुम्हें ये-वो नहीं आता।', 'तुम नोआ को नहीं संभाल पाओगी।' तो मुझे लगता था कि मेरा पार्टनर बहुत डीमोटिवेट करने वाला है।' उदिति ने आगे कहा, 'ऐसा ही होता है, जब दो लोगों का एक होना नहीं लिखा होता है, तो बात-बात पर लड़ाई होती है और जब एक होना लिखा होता है, तब सब कुछ अच्छा होता है।' उदिति का यह बयान 'बिग बॉस 20' के घर में करण के साथ अपने रिश्ते को लेकर पहले की गई बातों के बाद आया है। दोनों के रिश्ते के बारे में साल 2019-20 के आसपास सभी को पता था, उस वक्त करण ने उदिति के साथ तस्वीरें भी शेयर की थीं। बताया जाता है कि उनका रिश्ता काफी सीरियस था। उदिति ने पहले घरवालों को बताया था कि दोनों करीब ढाई साल तक साथ रहे थे और शादी तक की बात भी हुई थी।



# बिग बॉस से बाहर आते ही छलका ईशा रिखी का दर्द

सलमान खान होस्टेड रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में आए दिन कुछ न कुछ नया और धमाकेदार देखने को मिल रहा है। इसमें कुल 16 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया, जिसमें से दो प्रतियोगी रोहैद खान और ईशा रिखी अभी तक बाहर हो गए हैं। तीन हफ्ते घर में रहने के बाद अब बादशाह की एक्स वाइफ ने शो से बाहर आते ही सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर किया है। ईशा ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए पोस्ट में लिखा, 'बिग बॉस के घर के अंदर बिताए तीन हफ्ते... तीन हफ्ते जिनमें मैंने बहुत सारी भावनाएं, अनुभव, चुनौतियां, हंसी, आंसू और ऐसी यादें जी हैं, जिन्हें मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। वापस आने के बाद मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है।' ईशा ने पोस्ट में आगे लिखा, 'उन सभी लोगों का दिल से शुक्रिया, जो मेरे साथ खड़े रहे, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया, मुझे चीयर किया। उनका भी शुक्रिया, जिन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मैं हर राय, हर मैसेज और इस सफर का किसी भी तरह हिस्सा रहे हर एक इंसान के लिए आभारी हूं।'

### ईशा ने क्यों कहा शुक्रिया

अपनी बात खत्म करते हुए ईशा ने लास्ट में लिखा, 'लेकिन एक बात जो मैं आप सभी को बताना चाहती हूं, वह यह है कि मैंने आपका प्यार महसूस किया। भले ही मैं खुद ज्यादा कुछ जाहिर नहीं कर पाई, लेकिन यह बात मेरे लिए शब्दों में बयां करने से कहीं ज्यादा मायने रखती है। मेरे साथ खड़े रहने, मुझे समझने और लगातार मेरा सपोर्ट करने के लिए आपका शुक्रिया। मैं सच में, बहुत-बहुत आभारी हूं।'

### कौन हैं ईशा रिखी

ईशा रिखी पंजाबी अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2013 में आई फिल्म 'जट्ट बॉयज पुत्त जट्टा दे' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'हैप्पी गो लकी', 'अरदास' और 'मिंडो तसीलदारनी' जैसी कई फिल्मों में दिखाई दीं। इस साल की शुरुआत में ईशा रैपर-सिंगर बादशाह से शादी करने को लेकर सुर्खियों में आई थीं। हालांकि, दोनों का रिश्ता पांच महीने ही चला और दोनों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए अपने अलग होने का ऐलान भी कर दिया। इसके बाद ईशा ने 'बिग बॉस 20' में हिस्सा लिया था और अब वह वहां से भी बाहर हो गई हैं।



# इश्वाक सिंह ने वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

इन दिनों अपनी फिल्म 'गांधारी' को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने 'पाताल लोक', 'रॉकेट बॉयज' और 'बर्लिन' जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और दमदार किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिनेता एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने बताया, 'शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत अच्छा समय बीता।'

बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज लंबे समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिनेता ने कहा, 'देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी अनाउंस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।'

वाणी कपूर के साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, 'वाकई में, फिलहाल मुझे इस फिल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हां, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।'



# लस्ट स्टोरीज 3 में सायरा बनकर छाईं अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई 'लस्ट स्टोरीज 3' को मिल रहे प्यार और सराहना का आनंद ले रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री ने अपने समय से काफी आगे का किरदार निभाया है। सायरा के किरदार में अदिति न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारती हैं, बल्कि पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को भी भावनात्मक रूप से दर्शाती हैं। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पर्दे पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। फिल्म में गजराज राव उनके ऑन-स्क्रीन ससुर के किरदार में नजर आते हैं। अदिति बताती हैं, जो कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया। कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। उन्होंने कहा, क्योंकि हर कोई कहता है, 'ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है।' लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, कल ही यह बात मेरे मन में आई कि यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहां इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह आगे कहती हैं, एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, मुझे यह भी बेहद अद्भुत लगता है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है। यह हमें अपने होने का एक ऐसा एहसास देता है, जो पूरी तरह हमारा है। अदिति ने कहा, मुझे जिंदगी में यह बात हमेशा बहुत खूबसूरत लगती है। इसलिए मुझे वह सीन बहुत पसंद आया, क्योंकि उसमें बहुत कोमलता थी। मेरे पिता का निधन उस समय हुआ जब उन्हें अभी और जीना चाहिए था। वह बीमार थे। इसलिए मेरे लिए माता-पिता और बच्चे के बीच का कोई भी सीन बहुत... बहुत ज्यादा मायने रखता है। वह मेरे लिए बेहद भावुक था। वह बहुत खूबसूरत था।



उन्नत नस्ल के पशुपालकों में प्रथम आने वाले को मिलेंगे एक लाख रुपए

# वृंदावन ग्राम में उन्नत नस्ल के पशुओं की प्रतियोगिता आयोजित करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**पम्प ऊर्जीकरण के लिए किसानों के खेतों पर लगाए जाऐगे सोलर सिस्टम**



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उन्नत नस्ल के पशुपालन को बढ़ावा दिया जाए। पशुपालकों को प्रोत्साहन मिले, इसके लिए वृंदावन ग्राम में पशु प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाए। प्रथम आने वाले पशुपालक को सरकार एक लाख रुपये देगी। द्वितीय आने वाले को 50 हजार रुपये एवं तीसरे स्थान पर आने वाले को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार का वितरण दीपावली पर गौवर्धन पूजा के अवसर पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को रतलाम में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को उज्जैन से वर्चुअल संबोधित किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि रतलाम के किसान खेती में बदलाव के साथ अलग-अलग प्रकार की खेती कर रहे है। किसान अपनी आय बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन, प्रोसेसिंग, पशुपालन एवं उद्यानिकी जैसी गतिविधियों को अपना रहे है। किसानों को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा सिंचाई का रकबा बढ़ाने के साथ ही पम्प ऊर्जीकरण के लिए 30 लाख किसानों के खेतों पर सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा गया है। रबी सीजन में सिंचाई के लिए किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। रतलाम में चंबल के पानी से सिंचाई हो रही है। नदी जोड़ो अभियान से रतलाम के किसानों के जीवन में बदलाव आएगा। एक्सप्रेस-वे के बनने से रतलाम में अच्छी बाजार व्यवस्था उपलब्ध हुई है। रतलाम के किसान बहुउद्देशीय फसलें उगाते हैं। साथ ही प्रोसेसिंग का कार्य भी करते है। रतलाम में अंगूर की खेती और अंगूर की प्रोसेसिंग का व्यवसाय भी अच्छे से चल रहा है। रतलाम स्वर्ण, सेव और उन्नत खेती के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने रतलाम की सेव के साथ ही तेल वाली कचौरी की भी तारीफ की। उन्नतशील किसानों से किया संवाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद करते हुए सरकार की पीएम एफएमई योजना का लाभ लेकर घी के व्यवसाय को यूएस एवं श्रीलंका तक पहुंचाने वाले किसान दिलीप पाटीदार ने कहा कि उन्हें सरकार की योजना के अंतर्गत 30 लाख 10 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई है। वह बिलोना पद्धति से घी बनाते हैं, जिससे घी की शुद्धता और स्वाद अच्छा होना है जिससे देश के साथ-साथ विदेशों में भी घी की मांग बढ़ी है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

# रियाज मंजिल शत्रु संपत्ति विवाद हाईकोर्ट पहुंचा, एसडीएम कोर्ट में पेश हुए आदेश

**प्रभावित पक्षकारों ने स्वामित्व और कब्जे से जुड़े दस्तावेज व आपत्तियां रखीं**




**भोपाल**। खानूगांव स्थित ऐतिहासिक रियाज मंजिल कोठी और खसरा क्रमांक 42 को कथित रूप से शत्रु संपत्ति घोषित किए जाने का विवाद अब नया मोड़ ले चुका है। मंगलवार को सहायक अभिरक्षक शत्रु संपत्ति एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) के न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान कुछ अन्य प्रभावित पक्षकारों ने अपने स्वामित्व और कब्जे से जुड़े दस्तावेज पेश करते हुए वैधानिक आपत्तियां दर्ज कराईं। वहीं, दो पक्षकारों की ओर से इसी विवाद से संबंधित मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के आदेशों की प्रतियां भी न्यायालय में पेश की गईं।हाईकोर्ट के आदेश सामने आने और नए दस्तावेज रिकॉर्ड पर रखे जाने के बाद मामले का दायरा अब केवल राजस्व स्तर की जांच तक सीमित नहीं रहा है। विवादित संपत्ति को लेकर हाईकोर्ट में भी न्यायिक समीक्षा शुरू हो चुकी है। ऐसे में केंद्र सरकार के शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय के साथ कलेक्टर और जिला प्रशासन को भी संपत्ति की वास्तविक स्थिति तथा उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड के आधार पर अपना पक्ष रखना होगा। घर बचाओ संघर्ष समिति के उप संयोजक एडवोकेट जगदीश छावानी और एडवोकेट खालिद हफीज के अनुसार, पूर्व में नोटिसधारियों ने रियाज मंजिल और खसरा नंबर 42 को आफताब जहां बेगम से जोडकर शत्रु संपत्ति बताए जाने पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई थी। उनका कहना है कि वर्ष 2024 के कथित प्रमाण-पत्र में संपत्ति को आफताब जहां बेगम से संबंधित बताया गया है, जबकि उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड में संबंधित भूमि आफताब जहां के नाम दर्ज होना प्रदर्शित नहीं होता। 2024 के प्रमाण-पत्र पर भी सवाल प्रभावित पक्षकारों की ओर से 29 अप्रैल 2024 को जारी किए गए कथित शत्रु संपत्ति प्रमाण-पत्र की प्रामाणिकता और उसके आधारभूत रिकॉर्ड पर भी सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने मुंबई स्थित कस्टोडियन ऑफ इवैक्यूई प्रॉपर्टी फॉर इंडिया कार्यालय से मूल फाइल, नोटशीट, प्रमाणित प्रमाण-पत्र, स्वामित्व संबंधी दस्तावेज, जांच एवं सत्यापन रिपोर्ट और जिला प्रशासन के साथ हुए पत्राचार को तलब करने की मांग की है।

# आठ साल बाद भी जीएसटी पोर्टल की दिक्कतें

**गलती सुधारने पर भी लग रहा ब्याज**




**भोपाल**। जीएसटी लागू हुए आठ साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन करदाताओं और कर सलाहकारों की पोर्टल संबंधी परेशानियां अब भी पूरी तरह दूर नहीं हुई हैं। जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक से पहले प्रदेश के कर विशेषज्ञों ने पोर्टल की तकनीकी खामियों को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि कई मामलों में कर का भुगतान समय पर होने के बावजूद केवल रिटर्न में दर्ज जानकारी की त्रुटि सुधारने पर पोर्टल ब्याज की मांग निकाल रहा है। एमपी टैक्स लॉ बार एसोसिएशन (एमपीटीएलबी) और कमर्शियल टैक्स प्रैक्टिनर्स एसोसिएशन (सीटीपीए) ने इस संबंध में जीएसटी कमिश्नर को ज्ञापन सौंपकर पोर्टल में आवश्यक बदलाव करने की मांग की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के मुताबिक कई मामलों में करदाता की गलती टैक्स भुगतान से जुड़ी नहीं होती, बल्कि रिटर्न में किसी शब्द, विवरण या अन्य जानकारी की एंट्री में होती है। इसके बावजूद सिस्टम ऐसी स्थिति को कर देयता में देरी मानकर ब्याज की गणना कर देता है। आईटीसी उपलब्ध होने के बावजूद ब्याज की गणना कर विशेषज्ञों ने एक अन्य तकनीकी समस्या भी उठाई है। उनका कहना है कि कुछ मामलों में संबंधित अवधि में करदाता के इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर में पर्याप्त इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) उपलब्ध रहता है। बाद में यदि किसी अवधि की कर देयता का भुगतान किया जाता है, तो उपलब्ध आईटीसी से उसका समायोजन किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी स्थिति में सरकार के पास उपलब्ध क्रेडिट पहले से मौजूद होता है और वास्तविक रूप से अतिरिक्त नकद भुगतान की जरूरत नहीं पड़ती। इसके बावजूद पोर्टल धारा 50 के तहत ब्याज की गणना कर देता है। उनका तर्क है कि जहां पर्याप्त आईटीसी उपलब्ध था और राजस्व को वास्तविक आर्थिक नुकसान नहीं हुआ, वहां उस सीमा तक ब्याज नहीं लगाया जाना चाहिए। पोर्टल में अलग व्यवस्था की मांग एमपीटीएलबी और सीटीपीए ने मांग की है कि पोर्टल में ऐसी तकनीकी व्यवस्था विकसित की जाए, जो वास्तविक कर भुगतान में देरी और केवल रिटर्न में जानकारी सुधारने के मामलों के बीच अंतर कर सके। इससे उन करदाताओं पर ब्याज का बोझ नहीं पड़ेगा।

# 80 हजार शिक्षकों की पेंशन पर सरकार बनाम कोर्ट आमने-सामने

**तीन महीने बाद भी अमल नहीं, अब रिव्यू की तैयारी**

- हाईकोर्ट ने संविलियन को नई नियुक्ति नहीं माना, पुरानी सेवा गिनकर ओपीएस देने के निर्देश




**भोपाल**। मध्य प्रदेश में करीब 80 हजार शिक्षकों की पुरानी पेंशन का मामला अब सरकार और कर्मचारियों के बीच प्रशासनिक विवाद से निकलकर कानूनी टकराव की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। जबलपुर हाईकोर्ट की एकल पीठ द्वारा पूर्व शिक्षाकर्मियों की सेवा को निरंतर मानते हुए पुरानी पेंशन का लाभ देने के आदेश के करीब तीन महीने बाद भी स्कूल शिक्षा विभाग ने इसका पालन नहीं किया है। इसके बजाय अब सरकार इस फैसले को चुनौती देने के लिए रिव्यू याचिका और आगे डबल बेंच में जाने की तैयारी कर रही है। मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हाईकोर्ट ने वर्ष 2018 के संविलियन को नई नियुक्ति मानने के शासन के तर्क को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने माना कि शिक्षाकर्मियों का अध्यापक संवर्ग में शामिल होना सेवा का नया प्रारंभ नहीं, बल्कि संविलियन और पदनाम परिवर्तन की प्रक्रिया थी। ऐसे में उनकी पूर्व सेवा को पेंशन की गणना से बाहर नहीं किया जा सकता। 1998 की नियुक्ति से शुरू हुआ विवाद मामले में याचिकाकाताओं की नियुक्ति 22 अगस्त 1998 को जिला पंचायत के माध्यम से शिक्षाकर्मी वर्ग-2 के पद पर हुई थी। बाद में पंचायत अध्यापक संवर्ग नियम, 2008 के तहत वे अध्यापक और फिर वरिष्ठ अध्यापक बने। इसके बाद 15 फरवरी 2019 को उन्हें उच्च माध्यमिक शिक्षक पद पर पदस्थ किया गया। विवाद तब पैदा हुआ, जब शासन ने वर्ष 2018 के सेवा भर्ती नियमों के नियम 18.1 और 18.2 का हवाला देते हुए इस प्रक्रिया को नई नियुक्ति माना और पूर्व सेवा को पेंशन के लिए स्वीकार नहीं किया। इसी आधार पर संबंधित कर्मचारियों को नई पेंशन योजना यानी एनपीएस के दायरे में रखा गया। कोर्ट ने कहा- सेवा में ब्रेक नहीं तो नई नियुक्ति कैसे? हाईकोर्ट ने शासन के इस तर्क को खारिज करते हुए 2008 के अध्यापक संवर्ग नियमों के नियम 5 का हवाला दिया। कोर्ट के मुताबिक शिक्षाकर्मियों को अध्यापक संवर्ग में शामिल किया जाना संविलियन था। जब कर्मचारी की सेवा में एक दिन का भी व्यवधान नहीं आया, तो केवल संवर्ग और पदनाम बदलने से इसे नई नियुक्ति नहीं माना जा सकता। अदालत ने पेंशन के लिए संविलियन से पहले की सेवा अवधि को भी जोड? और पात्र कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने के निर्देश दिए। आदेश के बाद भी लागू नहीं हुआ फैसला हाईकोर्ट के आदेश के बाद शिक्षकों को उम्मीद थी कि सरकार पेंशन संबंधी प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी। लेकिन करीब तीन महीने गुजरने के बावजूद विभाग ने आदेश पर अमल नहीं किया है। अब विभाग की ओर से फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करने की तैयारी की जा रही है। मामले को लेकर 5 अक्टूबर को जबलपुर में स्कूल शिक्षा विभाग के शीर्ष अधिकारियों की महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता के साथ बैठक भी प्रस्तावित की गई, जिसमें आगे की कानूनी रणनीति पर चर्चा की जानी है।

# भोपाल में छोटे चीरे से हार्ट सर्जरी

**छाती की हड्डी नहीं काटते, 3-4 इंच के चीरे से सर्जरी; 4-5 दिन में मिल सकता है डिस्चार्ज**



**भोपाल**। हार्ट बायपास सर्जरी का नाम सुनते ही सबसे पहले छाती पर बड़ा चीरा, दर्द और लंबे समय तक आराम की बात सामने आती है। लेकिन अब कुछ मरीजों में बायपास सर्जरी के लिए छाती की हड्डी काटने की जरूरत नहीं पड़ती। भोपाल के सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मिनिमल इनवेसिव तकनीक से करीब 3-4 इंच के छोटे चीरे के जरिए हृदय तक पहुंच बनाकर बायपास सर्जरी की गई है। अस्पताल के अनुसार इस तकनीक से मरीज को अपेक्षाकृत कम दर्द हो सकता है और रिकवरी भी जल्दी हो होती है। छोटा चीरा से हार्ट सर्जरी, 4-5 दिन में डिस्चार्ज पारंपरिक बायपास सर्जरी में छाती के बीच बड़ा चीरा लगाकर छाती की हड्डी काटनी पड़ती है। इसके कारण रिकवरी में ज्यादा समय लग सकता है और अस्पताल में भी अधिक समय रहना पड़ सकता है। वहीं मिनिमल इनवेसिव तकनीक में करीब 3-4 इंच के छोटे चीरे से हृदय तक पहुंच बनाई जाती है और छाती की हड्डी काटने की जरूरत नहीं पड़ती। अस्पताल के अनुसार मरीज की स्थिति के आधार पर करीब 4-5 दिन में डिस्चार्ज किया जा सकता है। हालांकि हर मरीज की रिकवरी उसकी उम्र, बीमारी और सर्जरी के बाद की स्थिति पर निर्भर करेगी। पुरानी सर्जरी के मुकाबले करीब 1 लाख रुपए तक ज्यादा खर्च अस्पताल के मुताबिक, खर्च की बात करें तो पारंपरिक बायपास का खर्च करीब 1.5 लाख रुपए तक, जबकि मिनिमल इनवेसिव बायपास में करीब 2.25 से 2.5 लाख रुपए तक हो सकता है। अस्पताल ने इस तकनीक को आयुष्मान योजना के तहत रखने की बात कही है। 44 साल के मरीज का छोटे चीरे से सफल हार्ट बायपास अस्पताल के अनुसार 44 वर्षीय एक मरीज के हृदय की एक धमनी में कई जगह ब्लॉकेज थे। उसे कुछ समय से घबराहट और चलने में परेशानी हो रही थी। मरीज पारंपरिक ओपन हार्ट सर्जरी नहीं कराना चाहता था। डॉक्टरों की टीम ने उसकी मिनिमल इनवेसिव तकनीक से हार्ट बायपास सर्जरी की। मरीज का इलाज टोटल आर्टेरियल रीवैस्कुलराइजेशन तकनीक से किया गया। एक धमनी में कई जगह मौजूद ब्लॉकेज को एक ग्राफ्ट के जरिए ठीक किया गया। सर्जरी के बाद मरीज को 4-5 दिन में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उम्रदराज मरीजों में भी हो सकता है विकल्प डॉक्टरों के अनुसार नई तकनीक कुछ उम्रदराज और हाई-रिस्क मरीजों के लिए भी विकल्प हो सकती है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि हर बुजुर्ग या डायबिटीज मरीज की बायपास सर्जरी इसी तरीके से की जा सकती है। मिनिमल इनवेसिव सर्जरी का फैसला सिर्फ ब्लॉकेज देखकर नहीं किया जाता। डॉक्टर मरीज के हार्ट का फंक्शन, ब्लॉकेज कहां-कहां हैं, हार्ट का आकार, फेफड़ों की स्थिति और दूसरी बीमारियों को भी देखते हैं।

# तीन साल बाद बिना तिथि विवाद के दिवाली

**ग्रह-नक्षत्रों की चाल ऐसी कि सुबह से रात तक अमावस्या**

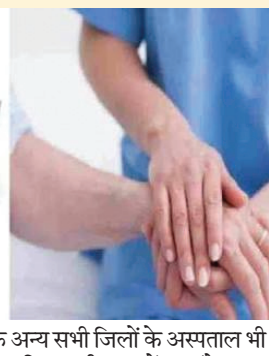


**भोपाल**। तीन साल में पहली बार पर दिवाली की तिथि को लेकर उत्तर से दक्षिण तक कोई विवाद नहीं उठा। ग्रह-नक्षत्रों की चाल और काशी से उठे पंचांगों की एकरूपता अभियान के चलते ऐसा संभव हो पाया है। पिछले तीन साल में काशी विद्वत परिषद और बीएचयू के ज्योतिष विभाग की ओर से भारत भर के 100 से ज्यादा पंचांगों का अध्ययन और अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन कर उन्हें एकमत किया गया। सत्र 2026-27 के पंचांगों की एकरूपता में आने से एक तिथि और एक पर्व की धारणा सामने आई। ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि इस बार ग्रह-नक्षत्रों का मान ही है ऐसा है कि दिवाली को लेकर तिथि विवाद नहीं है। हर बार अमावस्या सूर्यास्त के आसपास शुरू होकर अगले दिन सूर्यास्त तक होती थी। इसके कारण तिथि को लेकर कुछ लोगों की ओर से शास्त्रीय वचनों का ठीक से व्याख्या न करने के चलते भ्रम की स्थिति बन जाती थी। इस बार स्थितियां अलग हैं। अमावस्या एक ही दिन आठ नवंबर की अर्द्धरात्रि और प्रदोष काल में रहेगी इसलिए इस साल एक ही दिन दिवाली मनाई जानी है। सूर्यास्त से लेकर दो घंटे 24 मिनट तक प्रदोष काल होगा। इसी में लक्ष्मी पूजन का विशेष महत्व है। व्रत रहकर लक्ष्मी पूजन करने बहुत लाभकारी होता है और प्रदोष काल में भोजन किया जा सकता है। इसी अमावस्या पर पितरों का श्राद्ध करने का भी विधान है। हाथ में दीपक लेकर दक्षिण की ओर अपने पितरों को दिखाना चाहिए। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, शुद्ध पंचांग गणना में तिथि को लेकर कोई भ्रम नहीं होता, लेकिन गणना और आकलन सटीक होना चाहिए। इस बार प्राकृतिक तौर पर भ्रम जैसी स्थिति नहीं बनी। आठ नवंबर की सुबह से दिवाली का मुहूर्त ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, अमावस्या आठ नवंबर को सुबह 10:50 बजे से लग जाएगी। तभी से दिवाली का मुहूर्त शुरू हो जाएगा। उससे पहले हनुमान जयंती होगी। इस दिन रात 12 बजे तक दिवाली मनाने के लिए 13 घंटे 10 मिनट का मुहूर्त मिलेगा। वहीं सूर्यास्त के बाद दो घंटे 24 मिनट का प्रदोष काल में मां लक्ष्मी की पूजा कर दीया जलाने का सबसे शुभ समय होगा। इस रात पितरों के श्राद्ध भी करने की परंपरा भी रही है।

## आयुष्मान योजना को लेकर स्वास्थ्य विभाग का बड़ा एक्शन

**90 अस्पतालों पर कसा शिकंजा; 24 घंटे का मिला अल्टीमेटम**





**भोपाल**। मध्य प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज प्रदान करने वाले निजी अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग ने अब तक का सबसे बड़ा और कड़ा रुख अख्तियार किया है। प्रदेश के चार मुख्य महानगरों- भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर के करीब 90 बड़े अस्पतालों पर आयुष्मान योजना का शिकंजा कस गया है। स्वास्थ्य विभाग ने नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स सर्टिफिकेट प्रस्तुत करने के लिए अस्पतालों को अंतिम24 घंटे का अल्टीमेटम जारी किया है। विभाग की इस सख्त कार्रवाई के तहत जिन अस्पतालों के पास वैध नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंट्री-लेवल सर्टिफिकेट नहीं है, उनमें आयुष्मान योजना के तहत नए मरीजों को भर्ती कर इलाज देने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। स्वास्थ्य विभाग का यह आदेश तुरंत लागू कर दिया गया है। नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स सर्टिफिकेट पॉलिसी लागू होने के बाद प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर यह पहला सबसे बड़ा प्रशासनिक असर देखने को मिला है। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा 1 अक्टूबर से आयुष्मान योजना से संबद्ध अस्पतालों के लिए नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स सर्टिफिकेट की अनिवार्यता को लागू किया गया था। पहले चरण में फिलहाल भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर जैसे महानगरों के अस्पतालों पर सीधी कार्रवाई की जा रही है। दूसरे चरण में जल्द ही प्रदेश के अन्य सभी जिलों के अस्पताल भी इस नियम की जद में आएंगे। अब किसी भी नए जनरल अस्पताल को बिना नेशनल एक्री डिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स सर्टिफिकेट के आयुष्मान योजना में मान्यता नहीं दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता की स्वास्थ्य सुविधाओं और भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जनजातीय बाहुल्यक्षेत्रों में स्थित अस्पतालों को इस कड़े नियम से फिलहाल अस्थायी राहत दी है, ताकि वहां मरीजों का इलाज प्रभावित न हो।

# मप्र में 1.88 लाख घर बने पावर स्टेशन

**सरकार का फोकस रूफटॉप सोलर पर, कोयले की बिजली से करीब तीन गुना कम लागत का दावा**



**भोपाल**। मध्य प्रदेश में बिजली की बढ़ती जरूरत के बीच अब घरों की छतें ही छोटे बिजलीघर का रूप ले रही हैं। प्रदेश में 1.88 लाख घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिनसे करीब 750 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता विकसित हो गई है। सरकार अब प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के जरिए इस संख्या को और बढ़ाने की तैयारी में है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के मुताबिक रूफटॉप सोलर से बनने वाली बिजली की लागत करीब 2 रुपये प्रति यूनिट पड़ रही है, जबकि कोयले से बनने वाली बिजली की लागत करीब 6 रुपये प्रति यूनिट बताई गई है। यानी सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन की लागत कोयला आधारित बिजली के मुकाबले करीब एक-तिहाई है। इसी लागत अंतर को देखते हुए सरकार घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने को बढ़ावा दे रही है। रवीन्द्र भवन में सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित शिविर में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्रवार लक्ष्य तय कर उन्हें शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने योजना के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी करने और जहां भी तकनीकी या प्रशासनिक दिक्कतें आ रही हैं, उन्हें दूर करने को कहा। सरकार की कोशिश है कि योजना केवल कागजों पर सीमित न रहे, बल्कि अधिक से अधिक घरेलू उपभोक्ता इसका लाभ उठा सकें। घर की जरूरत की बिजली घर से रूफटॉप सोलर का सबसे बड़ा फायदा यह है कि उपभोक्ता अपने घर की बिजली की जरूरत का एक हिस्सा खुद पूरा कर सकता है। इससे पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम होती है और बिजली बिल में भी राहत मिल सकती है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने कहा कि सौर ऊर्जा की लागत कम होने के साथ इसका पर्यावरणीय लाभ भी है। कोयला आधारित बिजली उत्पादन में ईंधन की आवश्यकता और प्रदूषण दोनों बढ़ते हैं, जबकि सौर ऊर्जा सूर्य के प्रकाश से तैयार होती है। उनके मुताबिक घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने से बिजली का उत्पादन स्थानीय स्तर पर ही किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जुडने की अपील की। 750 मेगावाट क्षमता हुई तैयार मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया कि प्रदेश में अब तक 1.88 लाख रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। इनसे करीब 750 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता विकसित हुई है। शिविरों के जरिए उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देने के साथ सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया, लागत और उससे मिलने वाले लाभ के बारे में भी बताया जा रहा है। देश में 51 लाख घरों तक पहुंची योजना आरईसी के पदाधिकारी विजय कुलकर्णी के अनुसार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत देशभर में एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक करीब 51 लाख घरों में सौर पैनल लगाए जा चुके हैं। शिविर में लोगों को सौर ऊर्जा के उपयोग और योजना की जानकारी वीडियो के माध्यम से दी गई। मंत्री ने सोलर पैनल से संबंधित स्टॉल का निरीक्षण भी किया। एमपी में रूफटॉप सोलर का विस्तार अब केवल पर्यावरण संरक्षण की पहल नहीं रह गया है। करीब 2 रुपये प्रति यूनिट की लागत के दावे के साथ सरकार इसे घरेलू बिजली खर्च घटाने और भविष्य की बिजली जरूरतों का दबाव कम करने के विकल्प के रूप में आगे बढ़ा रही है।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा 301/1 ब्लॉक ए, तृतीय तल मानसरोवर कॉम्प्लेक्स रानी कमलापति, भोपाल मप्र पिन 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स 112 डायनामिक सेंटर, एम पी नगर जोन 1 भोपाल मप्र (462023) से मुद्रित

पी आर जी आई - एम पी एच एन/26/ ए 6140 मो. 9893311784